हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, शनिवार, 4 जनवरी 2025 | अंक 83/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

क्या आप स्वास्थ से परेशान ही ?

* सर्दी खासी सिनेमाईटिस * ॲलर्जिक राईनिटिस * क्रॉनिक ब्रॉन्काईटिस * इसिनोफिलीया * ब्रॉनकियल ब्रॉनकाईटस * कॉरपुलमानेल (कार्डियल) पर Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

तथा दमा, अस्थमा, एलर्जी / सभी प्रकार के वात रोग/ लखवा/ स्त्रिरोग/ पुरूष के शुक्राणू दोष/ निसंतान/ किडनी स्टोन/ डायबिटीज से परेशान/ वेट लॉस/ वेट गेन/पिंपल्स/ फ्रेअरनेस/ स्किन प्रॉब्लेम/ पाईल्स/ एवं अन्य बिमारीयों पर भी उपचार किया जाता है।

नागपूर का भव्य शोरूम महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन : 9112079000 / 8605245080

आयुर्वेदिक दवाईया तथा जडीबुटीयों का विशाल भंडार

देश में अराजकता पैदा करने देश-विदेश की ताकतों ने रचा षडयंत्र: मुख्यमंत्री

पुणे.

देश में अराजकता कैसे पैदा होगी? इसके लिए देश-विदेश की ताकतों ने षडयंत्र रचा। उन्होंने वोट जिहाद जैसे मुद्दे उठाकर हमारे विचारों पर हमला करने की कोशिश की। लेकिन, जब भी संतों ने धर्म और समाज को जागृत किया, उन्हें विजयी होते देखा गया। शुक्रवार को आलंदी में आयोजित संत आभार संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शामिल हुए, जहां बोलते हुए उन्होंने यह बात यही। फडणवीस ने आगे कहा, "कृपया बताएं कि मुझसे कहां गलती हो रही है। सत्ता कभी भी हमारे सिर पर नहीं चढ़ेगी। अगर हम कोई गलती करें तो कान पकड़ के

संत समाज समझा सकता है।"

देवेंद्र फडणवीस ने कहा, ''लोकसभा चुनाव के बाद हमारे सामने प्रश्नचिन्ह खड़ा हो गया था। देश में और विदेश में ताकतवर लोगों ने मिलकर देश में अराजकता फैलाने की साजिश रची। उन्होंने अराजकता पैदा कर दी। विभिन्न दीवारों में तोड़ा जा सकता है. हमारा पौरुष कैसे ख़त्म कैसे किया जा सकता है। वोट जिहाद जैसे मुद्दे उठाकर हम अपने विचारों पर हमला कैसे कर सकते हैं? ऐसा प्रयास हमारे ध्यान में आया।" उन्होंने आगे कहा, "जब भी हमारा धर्म, संस्कृति और परंपराएं कमजोर हुईं, हम गुलामी में फंस गए।" जब-जब संतों ने धर्म और समाज को जागृत किया, हमने विजयी भारत देखा।"

उन्होंने आगे कहा, "हमने वोट जिहाद के आधार पर लोकसभा जीती।" अब चलो विधानसभा जीतें. लेकिन अगर हम अभी नहीं जागे तो अगला हमला राजतंत्र पर नहीं, बल्कि धार्मिक सत्ता पर होगा। ऐसा महसूस होने लगा। यह विजय हमारी इसलिए हुई क्योंकि संतों ने गांव-गांव में जागरूकता फैलाई।

उन्होंने आगे कहा, "अगर हमने कोई गलती की है तो यह आपका अधिकार है। आप अपने कान पकड़ सकते हैं. आप बता सकते हैं. मैं निश्चित रूप से इतना ही कह सकता हूं। अगर मैं गलत हो गया तो कृपया मुझे रास्ता दिखाएं और समझाएं।" फडणवीस ने आगे कहा, "सत्ता कभी भी हमारे सिर पर नहीं चढ़ेगी। हम कभी यह नहीं सोचेंगे कि संतों ने ही हमें यह बताया था। हम जानते हैं।

केवल संत ही हमें बता सकते हैं। हमें इस बात का पूरा यकीन है। अगर हम कोई गलती करें तो कान पकड़ लें, हमें समझाएं।" उन्होंने विश्वास जताया है कि हम अपनी गलतियों को सुधारेंगे और सही रास्ते पर चलने का प्रयास अवश्य करेंगे।

खबरें! एक नजर में!!

आतंकी हमला को लेकर अलर्ट जारी

नई दिल्ली. भारत की खुफिया एजेंसियों ने नए साल में आतंकी हमला को लेकर अलर्ट जारी किया है. खुफिया विभाग के पास आतंकी हमले की साजिश से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी मिली हैं. दिल्ली और पंजाब पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ISI और बांग्लादेश के आतंकवादियों के निशाने पर हैं. 2025 में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI द्वारा सीरियल बम ब्लास्ट की साजिश रचने की जानकारी सामने आई है.

पानी पर हमारे उपयोगकर्ता अधिकार

नई दिल्ली. चीन की बांध परियोजना पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 25 दिसंबर 2024 को सिन्हुआ द्वारा जारी जानकारी का हवाला देते हुए कहा, "हमने तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र में यारलुंग त्संगपो नदी पर प्रस्तावित जलविद्युत परियोजना के बारे में सुना है. नदी के पानी पर हमारे उपयोगकर्ता अधिकार होने के नाते, हमने लगातार विशेषज्ञ स्तर और राजनयिक चैनलों के माध्यम से चीनी पक्ष को अपने विचार और चिंताएं व्यक्त की हैं.

पत्रकार की हत्या

बीजापुर. छत्तीसगढ़ के बीजापुर से बड़ी खबर आई है. एक जनवरी से लापता पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या कर दी गई है. चंद्राकर का शव सेप्टिक टैंक में मिला है.बता दें, NDTV के लिए काम करने वाले स्वतंत्र पत्रकार मुकेश चंद्राकर भ्रष्टाचार को उजागर करने वाली रिपोर्ट करते रहते थे. बता दें, मुकेश चंद्रकार के मोबाइल की आखिरी लोकेशन के पास एक बाड़े में बने सेप्टिक टैंक में शव मिला है. पुलिस शव को बाहर निकाल ली है. इस मामले में पुलिस आधा दर्जन से अधिक संदिग्ध लोगों से पूछताछ कर रही है.

सुपरस्टार अल्लू अर्जुन को जमानत

हैदराबाद. संध्या थिएटर भगदड़ मामले में सुपरस्टार अल्लू अर्जुन को जमानत मिल गई है. उन्हें पहले हाईकोर्ट ने अंतरिम जमानत पर रिहा किया था. हैदराबाद में संध्या थिएटर में 'पुष्पा 2' की स्क्रीनिंग के वक्त भगदड़ में 35 साल की महिला की मौत हो गई थी, जिसके चलते स्थानीय पुलिस ने एक्टर अल्लू अर्जुन को गिरफ्तार किया था. अब उन्हें हैदराबाद कोर्ट ने सामान्य जमानत दे दी है.

कालकाजी सीट पर दो 'दोस्तों' भिड़ेंगे

नई दिल्ली. दिल्ली चुनाव के लिए कांग्रेस ने अलका लांबा को कालकाजी विधानसभा सीट मैदान में उतारा है. इससे अब साफ हो गया है कि अलका लांबा का मुकाबला आम आदमी पार्टी (आप) की उम्मीदवार और सीएम आतिशी से होगा. अलका लांबा भी एक समय 'आप' में ही थीं. ऐसे में अगर यह कहा जाए कि दिल्ली के चुनावी दंगल में कालकाजी सीट पर दो 'दोस्तों' भिड़ेंगे, तो गलत नहीं होगा.

बालिका गृह कांड, ब्रजेश ठाकुर रिहा

मुज़फ़्फ़रपुर. बिहार के चर्चित मुज़फ़्फ़रपुर बालिका गृह कांड में आजीवन कारावास की सज़ा काट रहे ब्रजेश ठाकुर को स्वाधार गृह कांड में बरी कर दिया गया है. ब्रजेश ठाकुर के साथ साथ इस कांड में शाइस्ता परवीन उर्फ मधु और कृष्णा को भी रिहा कर दिया गया है.

'पलटीमार पॉलिटक्स' और 'लॉलीपॉप पॉटिलिक्स' का खेल शुरू

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राज्य की राजनीति में बिन मौसम ही बरसात शुरू हो गई है. सीएम नीतीश कुमार की पलटीमार पॉलिटक्स का इतिहास देखकर लालू का 'लॉलीपॉप पॉटिलिक्स' का खेल जैसे ही शुरू हुआ, दिल्ली में बैठे नेताओं के कान खड़े हो गए. एक-एककर सारे नेता पटना पहुंचने लगे. लेकिन, जब पटना पहुंचे तो एक अलग ही राजनीति नजर आने लगी.

धारावी में अपात्र झुग्गीवासियों को घर दिया जाएगा : उपमुख्यमंत्री शिंदे

मुंबई.

महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल के विस्तार के बाद शुक्रवार (03 जनवरी) को डिप्टी सीएम और शहरी विकास, आवास और लोक निर्माण विभाग के मंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने डिपार्टमेंट का जायजा लेते हुए बैठक की. इस मीटिंग में मुंबईकरों के आवास को लेकर चर्चा हुई. उन्होंने धारावी में 1 लाख से अधिक अपात्र झुग्गीवासियों को घर देने का भरोसा दिया है.

हाउसिंग विभाग के सबसे बड़े प्रोजेक्ट के तहत धारावी पुर्नविकास का काम चल रहा है. इस प्रोजेक्ट को लेकर बवाल भी हुए हैं लेकिन डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को हाउसिंग विभाग की बैठक लेते हुए यह आश्वासन दिया कि अपात्र झुग्गीवासियों को घर दिया जाएगा. 60 हजार से ऊपर 2007 से पहले के पात्र झुग्गीवासी हैं. अनुवर्ती और अपात्र 1 लाख से ऊपर हैं. इन सबको घर देने के लिए शिंदे ने बैठक की.

एकनाथ शिंदे का महाविकास अघाड़ी पर हमला

एकनाथ शिंदे ने सभी अधिकारियों के सामने कहा कि महाविकास अघाड़ी की तत्कालीन सरकार ने लोगों को घर देने का आश्वासन दिया था लेकिन वो सरकार नाकामयाब रही. उन्होंने महायुति की सरकार के कार्यकाल में सबको घर देने के लिए काम करने का आदेश दिया. उन्होंने कहा, ''धारावी के विकास को लेकर सकारात्मक बातें लोगों तक पहुंचना चाहिए.'' उन्होंने कहा कि विपक्ष बार-बार पुर्नविकास को लेकर गलत आरोप लगाता आया है इसलिए सबको जागरूक रहने की जरूरत है. महाराष्ट्र कैबिनेट ने 2 जनवरी को किसानों को लेकर बड़ा फैसला लिया था. देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार 963 किसानों को उनकी जमीन वापस करेगी, जो सरकार द्वारा उनके ऊपर सरकारी बकाया न चुकाए जाने के कारण जब्त कर ली गई थी. चंद्रशेखर बावनकुले ने जानकारी देते हुए बताया था कि कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया है कि 963 किसानों को जमीन वापस की जाएगी. उन्होंने कहा कि यह एक अहम कदम है, जिसे राज्य सरकार ने किसानों की भलाई के लिए उठाया है.

पीथमपुर में प्रदर्शन के दौरान दो शख्स ने खुद पर छिड़का पेट्रोल

भोपाल. भोपाल में यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे को निपटाने के लिए धार जिले के पीथमपुर को चुना गया है. इस पर विवाद शुरू हो गया. पीथमपुर के लोग और विभिन्न संगठनों ने धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया है. कई लोग सड़क पर उतर आए हैं. शुक्रवार को पीथमपुर में जमकर बवाल हुआ और दो लोगों ने 'आत्मदाह' की कोशिश की. इस घटना का वीडियो सामने आया है जिसमें लोग पीथमपुर में कचरा जलाए जाने के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं. इस बीच भीड़ में दो लोग अपने ऊपर पेट्रोल छिड़कर लेते हैं. आंदोलन कर रहे राजू पटेल और राजकुमार रघुवंशी ने खुद पर पेट्रोल डाल आत्महत्या करने का प्रयास किया. पीछे से किसी ने आग लगा दी. दोनों को गंभीर हालत में इंदौर रेफर किया गया.

मेरा सपना गरीबों को पक्का घर देने का: पंतप्रधान मोदी

नई दिल्ली.

विधानसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज दिल्ली में 4500 करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया. प्रधानमंत्री ने दिल्ली के अशोक विहार में निर्मित 1,675 फ्लैटों का भी उद्घाटन किया।

गरीबों के लिए नए घर का उद्घाटन करते हुए पीएम मोदी ने कहा- मैं भी शीशमहल बना सकता था. लेकिन मैंने कभी अपना घर नहीं बनाया, 10 साल में मैंने 4 करोड़ गरीब परिवारों को पक्का घर दिया है।'आज जिनको नये घर मिले हैं, ये स्वाभिमान का घर है। यह आत्मसम्मान का घर है. यह नई आशाओं और नए सपनों का घर है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''साल 2025 भारत के विकास के लिए कई नई संभावनाएं लेकर आया है. इस साल दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की हमारी उम्मीदें मजबूत होंगी. आज भारत राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक बन गया है. इस साल भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छवि मजबूत होगी। प्रधानमंत्री ने कहा, ''इस भारत में हम इस संकल्प के साथ काम कर रहे हैं कि देश के हर नागरिक के पास पक्की छत हो, अच्छा घर हो. इस संकल्प को पूरा करने में दिल्ली ने बहुत बड़ी भूमिका निभाई है. जिन लोगों को कोई उम्मीद नहीं थी, उन्हें आज अपना पहला आवास मिल रहा है और हजारों घरों की चाबियां दी जा चुकी हैं।

गरीबों के लिए एक करोड़ और नए घर बनाए जाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, ''गरीबों के घर में अच्छे जीवन के लिए जरूरी सभी सुविधाएं होनी चाहिए। यही गरीबों का आत्मसम्मान जगाता है और उनका आत्मबल बढ़ाता है।'' विश्वास। हम यहीं नहीं रुकेंगे। दिल्ली में अभी ऐसे करीब 3,000 घर और बनाए जाने हैं।'' जिन लोगों की आय 9 लाख से कम है, उनके लिए घर खरीदने का सपना पूरा करने के लिए सरकार भारी छूट दे रही है।

मुद्राओं के इस्तेमाल को बढ़ावा देने पर सहमति

नई दिल्ली.

भारत और मालदीव के लंबे वक्त से रिश्ते की कड़वाहट कम होती दिख रही है. भारत और मालदीव ने शुक्रवार (3 जनवरी 2025) को सरहद पार व्यापार के लिए स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल को बढ़ावा देने पर सहमति दी है और विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत हमेशा मालदीव के साथ खड़ा है. जयशंकर ने दिल्ली में मालदीव के अपने समकक्ष अब्दुल्ला खलील के साथ बैठक में यह टिप्पणी की है. एस जयशंकर और अब्दुल्ला खलील के बीच समुद्री सुरक्षा, व्यापार और निवेश समेत कई प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा हुई है. मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला खलील तीन दिनों के दौरे पर आए हुए हैं. जयशंकर ने कहा, "सीमा पार लेनदेन के लिए स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने की रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए गए हैं. हमने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी भागीदारी बढ़ाई है और मैं यह कहना चाहता हूं कि भारत हमेशा मालदीव के साथ खड़ा रहा है. आप हमारी नेबरहुड फर्स्ट की नीति में बहुत महत्व रखते हैं." मालदीव के विदेश मंत्री डॉ खलील ने अपनी ओर से भारत द्वारा जरूरत के समय मालदीव को दी गई आपातकालीन वित्तीय सहायता की सराहना की, जो मालदीव के रूप में भारत की भूमिका को दर्शाता है.

रायगढ़-मुंबई गोवा हाईवे पर भीषण हादसा, 4 लोगों की मौत, 2 घायल

महाड.

ममहाडहाराष्ट्र के रायगढ़-मुंबई गोवा हाईवे पर शुक्रवार (3 जनवरी) को भीषण हादसा हो गया. इस एक्सीडेंट में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए. जानकारी के मुताबिक ये हादसा मुंबई गोवा हाईवे पर वीर रेलवे स्टेशन के पास हुआ, जहां एक टोइंग वैन स्कॉर्पियो टकरा गई.

जानकारी के मुताबिक हादसे के बाद घायलों को इलाज के लिए महाड ग्रामीण अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जैसे ही स्कॉर्पियो में डीजल खत्म हुआ, ड्राइवर ने स्कॉर्पियो को सड़क के किनारे खड़ा कर दिया और तेज गति से चिपलून से पनवेल की ओर जा रही टोइंग वैन ने स्कॉर्पियों को जोरदार टक्कर मार दी. हादसे की जानकारी मिलते ही महाड तालुका पुलिस मौके पर पहुंच गई और इस मामले में टोइंग वैन के ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है और हादसे की आगे की जांच की जा रही है.

शरद पवार ने एक संदेश लिखा जिसे छगन भुजबल ने छुपकर पढ़ा

(पुणे) पिंपरी चिंचवड.

सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर आज (३) पुणे में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस मौके पर एनसीपी प्रमुख शरद पवार और पूर्व मंत्री छगन भुजबल भी मौजूद रहे. इस बीच, एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने पूर्व मंत्री छगन भुजबल को एक कागज पर लिखित संदेश दिया, जिसके बाद उनके बीच कुछ सेकंड का आदान-प्रदान हुआ और दोनों एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराने लगे। ये सब हुआ महात्मा फुले और सावित्रीबाई फुले की पूर्ण आकार की प्रतिमा के अनावरण समारोह के दौरान चाकन बाजार समिति ने पुणे चाकन बाजार समिति में सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा का अनावरण किया प्रवेश द्वार पर सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा लगाई गई है। शाम 5:45 बजे शरद पवार और छगन भुजबल दोनों एक मंच पर पहुंचे. प्रतिमा का अनावरण पवार ने किया और अध्यक्षता भुजबल ने की, इसलिए दोनों मंच पर साथ-साथ बैठे। लेकिन मंच पर आने के बाद से दोनों एक-दूसरे की तरफ देखने से बचते रहे.

राजनीतिक गलियारों में चर्चा

दरअसल, पुणे के कार्यक्रम में पवार चार बजे पहुंच गए थे और चूंकि भुजबल करीब डेढ़ घंटे देरी से पहुंचे, इसलिए पवार को डेढ़ घंटे तक इंतजार करना पड़ा. इससे भुजबल को अंदाजा था कि समय की कद्र करने वाले पवार थोड़ा नाराज हो गए होंगे. इसलिए भुजबल ने मंच पर बोलने से परहेज किया. लेकिन उसी समय, पवार ने पर्चे पर दो पंक्तियाँ लिखीं। फिर उन्होंने भुजबल के हाथ से पर्चा लिया और अपने हाथ से पर्चा थमा दिया. फिर पवार ने भुजबल की ओर इशारा किया और बीस मिनट बाद दोनों के बीच बातचीत हुई.

संपत्ति का अधिकार संवैधानिक: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली. एक अहम फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि कानून के मुताबिक उचित मुआवजा दिए बिना किसी व्यक्ति को उसकी संपत्ति से वंचित नहीं किया जा सकता. कोर्ट ने कहा है कि भले ही संपत्ति का अधिकार एक मौलिक अधिकार न हो, लेकिन यह संवैधानिक अधिकार है. कर्नाटक में हुए भूमि अधिग्रहण के लगभग 20 साल पुराने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए लोगों को बढ़ा हुआ मुआवजा दिलवाया है. सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला नवंबर 2022 में आए कर्नाटक हाई कोर्ट के एक फैसले के खिलाफ दाखिल अपील पर दिया है. मामला बेंगलुरु-मैसूर इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरिडोर प्रोजेक्ट के लिए हुए भूमि अधिग्रहण से जुड़ा है. 2003 में कर्नाटक इंडस्ट्रियल एरियाज डेवलपमेंट बोर्ड ने परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की शुरुआती अधिसूचना जारी की.

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक कौंसिल (जीजेसी) ने नए नेतृत्व की घोषणा

मुंबई.

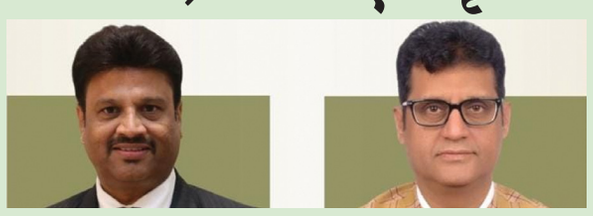

ऑल इंडिया जेम एंड ज्वेलरी डोमेस्टिक कौंसिल (जीजेसी), भारतीय रत्न एवं आभूषण उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाली सर्वोच्च संस्था, श्री राजेश रोकड़े को परिषद का नया अध्यक्ष और श्री अविनाश गुप्ता को नया उपाध्यक्ष चुना गया है। दिसंबर 2024 में आयोजित सीओए चुनावों के पूरा होने के बाद सीओए 2025-26 की परिषद की पहली बोर्ड बैठक के दौरान इसकी घोषणा की गई।

जीजेसी के चेयरमैन श्री राजेश रोकड़े ने कहा 'इस महत्वपूर्ण समय में जीजेसी का नेतृत्व करने की जिम्मेदारी लेने पर मुझे बेहद गर्व है। भारतीय रत्न और आभूषण उद्योग परिवर्तन के मुहाने पर खड़ा है, और हमारा मिशन सतत विकास, उपभोक्ताओं के विश्वास में वृद्धि और वैश्विक मंच पर अधिक मान्यता की दिशा में सामूहिक रूप से काम करना है। मैं अपने साझा दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए उद्योग के हितधारकों के साथ सहयोग करने के लिए तत्पर हूं।"

अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद विकास के उत्प्रेरक और उद्योग के लिए एक एकीकृत आवाज के रूप में अपनी भूमिका के लिए प्रतिबद्ध है। श्री राजेश रोकड़े और श्री अविनाश गुप्ता के कुशल नेतृत्व में, जीजेसी प्रगति और नवाचार के एक नए युग की शुरुआत करने के लिए तैयार है।

प्रतिष्ठित रोकड़े ज्यैलर्स के श्री राजेश रोकड़े, आभूषण उद्योग में 100 से अधिक वर्षों की उल्लेखनीय विरासत को कायम रखते हैं। जीजेसी में बड़े खुदरा विक्रेताओं की श्रेणी का प्रतिनिधित्व करते हुए, उन्होंने गुणवत्ता, नवाचार और ग्राहक विश्वास के प्रति अटूट समर्पण के माध्यम से खुद को प्रतिष्ठित किया है जो उनके परिवार के प्रसिद्ध ब्रांड की पहचान है। जीजेसी के उपाध्यक्ष और कानूनी समिति के संयोजक के रूप में उनके सक्रिय नेतृत्व ने रत्न और आभूषण क्षेत्र के लिए जीएसटी, आयात शुल्क, हॉलमार्किंग, 411 और कई अन्य महत्वपूर्ण मामलों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को संबोधित करके आभूषण उद्योग को काफी लाभान्वित किया है। उन्होंने इन चुनौतियों को हल करने के लिए सरकारी अधिकारियों के समक्ष कई बार प्रतिनिधित्व किया है, और उनके समय पर किए गए कार्यों ने उद्योग के लिए लगातार सकारात्मक परिणाम लाए हैं। दशकों के अनुभव वाले आभूषण उद्योग के दिमाज श्री राजेश रोकड़े ने अध्यक्ष का पदभार संभाला अपने दूरदर्शी नेतृत्व और क्षेत्र के भीतर चुनौतियों और अवसरों की गहरी समझ के लिए परिचित श्री रोकड़े जी का लक्ष्य ऐसी पहल करना है जो घरेलू बाजार को मजबूत करेगी, नवाचार को बढ़ावा देगी और भारतीय आभूषणों की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगी।

दिसंबर 2024 में, जीजेसी ने सफलतापूर्वक अपने सीओए चुनाव आयोजित किए, जिसमें 2025-26 की अवधि के लिए जीजेसी प्रशासन समिति (सीओए) के सदस्य

1) श्री राजेश रोकड़े (अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय अध्यक्ष पश्चिम)
2) शरी अविनाश गुप्ता
3) श्री संयम मेहरा
4) डॉ। रवि कपूर
5)श्री सुनील पोद्दार
6) श्री अमित जिंदल
7) श्री अमित कुमार सोनी
8) श्री अशोक कुमार जैन
9) श्री गुरजीत सिंह
10) श्री एचएम सुल्तान मोहिदीन
11) श्री मदन कोठारी
12) श्री नीलेश एस. शोभावत
13) श्री रवि प्रकाश अग्रवाल
14) श्री रूपेश ताम्बी
15) श्री साहिल मेहरा
16) श्री सलीम दगीनावाला
17) श्री समर कुमार डे
18) श्री सिद्धार्थ सावनसुखा
19) श्री सौरव रॉय
20) श्री सुयश अग्रवाल
21) श्री वर्धमान कोठारी

चीन में तबाही मचा रहा एचएमपीव्ही वायरस

नई दिल्ली.

कोरोना महामारी की तरह ही चीन में एक और वायरल का संक्रमण फैलने की खबर है। कई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के मामले बढ़ रहे हैं। सोशल मीडिया में दावा किया गया है कि वायरस तेजी से फैल रहा है, अस्पताल और शवदाहगृह भरे पड़े हैं। ऑनलाइन साझा किए गए वीडियो में भीड़भाड़ वाले अस्पताल दिखाई दे रहे हैं, जिसमें कुछ उपयोगकर्ता कह रहे हैं कि इन्फ्लूएंजा ए, एचएमपीवी, माइकोप्लाज्मा निमोनिया और कोविड-19 सहित कई वायरस फैल रहे हैं। हालांकि, चीन ने इन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है।

चीन में महामारी फैलने के दावों ने भारत में भी चिंता बढ़ा दी है। हालांकि, राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र का कहना है कि भारत के लोगों को इस बारे में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। यहां हालात पूरी तरह से सामान्य हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) देश में श्वसन और मौसमी इन्फ्लूएंजा के मामलों की बारीकी से निगरानी कर रहा है, और चीन में मानव मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के प्रकोप की हालिया रिपोर्टों के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के संपर्क में है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "हम स्थिति की बारीकी से निगरानी करना जारी रखेंगे और उसी के अनुसार सूचना देंगे और अन्य बातों की पुष्टि करेंगे।"

फीका हो सकता है आपका 'गाजर का हलवा'

नई दिल्ली.

पश्चिमी उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के कई जिलों में ट्रैक्टर की ट्राली पर लदा हुआ गन्ना चीनी मिल की ओर जाता हुआ आपको आसानी से दिखाई दे जाएगा, लेकिन इस बार इन ट्रैक्टरों की संख्या काफी कम है. ऐसे में सर्दी के मौसम में बनने वाले गाजर के हलवे की मिठास कम हो सकती है. आपको बता दें हाल ही में जैव-ऊर्जा निर्माता संघ की एक रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि अक्टूबर से शुरू होने वाली चीनी मार्केट ईयर की पहली तिमाही यानी अक्टूबर 2024 से दिसंबर 2024 के बीच चीनी का प्रोडक्शन 16 फीसदी कम हुआ है,

जिसका असर आने वाले दिनों में चीनी की कीमतों पर दिखाई दे सकता है. अक्टूबर 2024 से दिसंबर 2024 के बीच चीनी मार्केट की पहली तिमाही में 16 फीसदी कम चीनी का उत्पादन हुआ है. आपको बता दें बीते साल इसी समय अवधि में 113.01 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था, जो इस साल घटकर 95.40 लाख टन रह गया.देश में चीनी उत्पादन में उत्तर प्रदेश का योगदान सबसे ज्यादा है. रिपोर्ट में बताया गया है कि उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और कर्नाटक में गन्ने की पेराई दर पिछले साल की तुलना में बेहतर रही है, लेकिन पिछले कुछ दिनों में उत्तर प्रदेश में बारिश की वजह से गन्ने की पेराई प्रभावित हुई है, जिससे वजह से चीनी का उत्पादन कम हुआ है. दिसंबर के बीच 512 चीनी मिल में गन्ने की पेराई हो रही थी, लेकिन इस बार अक्टूबर 2024 से दिसंबर 2024 के बीच केवल 493 चीनी मिल में ही गन्ने की पेराई की जा रही है. चीनी उत्पादन मार्केट ईयर 2024-25 (सितंबर-अक्टूबर) के बीच पहली तिमाही में चीनी उत्पादन घटकर 32.80 लाख टन रह गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 34.35 लाख टन था.

> महंगी होगी चीनी

चीनी उत्पादन में महाराष्ट्र दूसरे नंबर पर

उत्तर प्रदेश के बाद अगर किसी राज्य में सबसे ज्यादा चीनी का उत्पादन होता है तो वो महाराष्ट्र है. यहां इस चीनी फाइनेंशियल मार्केट ईयर में 30 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ है, जो कि इस समान समय अवधी में पिछले चीनी फाइनेंशियल मार्केट ईयर में 38.20 लाख टन था. वहीं कर्नाटक में भी 24.91 लाख टन से चीनी उत्पादन घटकर 20.40 लाख टन पर पहुंच गया है. अगर आने वाले दिनों में ऐसे ही चीनी का उत्पादन कम रहा तो रिटेल और होल सेल मार्केट में चीनी की कीमत बढ़ सकती हैं·

देश में घट रही गरीबी

नई दिल्ली : देश में शहर में रहने वालों और गांव में रहने वाले लोगों के बीच गरीबी कम हो रही है. ऐसा हम नहीं कह रहे हैं. बल्कि भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी रिपोर्ट में यह कहा है. एसबीआई ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें देश के इलाकों में फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में गरीबी दर में कमी आई है. खासतौर पर बिहार में गरीबी के आकड़ों में शानदार सुधार हुआ है. वहीं, उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में मिले-जुले आंकड़ें देखने को मिल रहे हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक, मंथली पर कैप्टा इनकम में गिरावट आई है. जहां 2009-2010 में शहरों और गांवों की मंथली पर कैप्टा इनकम का अंतर 88.2 फीसदी का था वह अब घटकर 69.7 फीसदी हो गया है. यह सुधार मुख्य रूप से डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी), ग्रामीण बुनियादी ढांचे में सुधार, किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से किए गए प्रयास की वजह से हुए हैं. इसके अलावा गांव के लोगों ने अपने खर्चे को बढ़ाया है, जिसका प्रभाव आंकड़ों में दिखाई दे रहा है. गरीबी में कमी के संदर्भ में, रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2024 के लिए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गरीबी दर में बड़ी कमी को दर्शाया गया है. ग्रामीण गरीबी पिछले वर्ष के 7.2 फीसदी से घटकर 4.86 फीसदी हो गई है, जबकि शहरी गरीबी 4.09 फीसदी है, जो वित्त वर्ष 23 के 4.6फीसदी से कम है.इन आंकड़ों को देखकर ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि भारत की कुल गरीबी दर अब 4 से 4.5 फीसदी के बीच रह सकती है.

अब विदेशों में बज रहा कॉफी का डंका

नई दिल्ली.

चाय के एक्सपोर्ट में झंडे गाड़ने के बाद अब भारतीय कॉफी विदेशों में परचम लहरा रही है. दरअसल फाइनेंशियल ईयर 2024-25 में नवंबर के महीने में ही कॉफी का एक्सपोर्ट 1 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर गया है. सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी के के अनुसार बीते फाइनेंशियल ईयर 2023-24 में अप्रैल से नवंबर के बीच केवल 803.8 मिलियन डॉलर की कॉफी का एक्सपोर्ट हुआ था. ऐसे में कॉफी के एक्सपोर्ट में 29 फीसदी की ग्रोथ देखी गई है.

यूरोपीय यूनियन रोबस्टा कॉफी का सबसे बड़ा दीवाना है. यूरोपीय यूनियन ने हाल ही में वन विनाश विनियमन कानून लागू किया है, जिसमें स्पष्ट निर्देश हैं कि जंगलों को नुकसान पहुंचाकर जिन सामानों का उत्पादन किया जाता है, जैसे कॉफी, कोकोआ, रबड, पाम ऑयल इन्हें यूरोप अब नहीं बेचेगा. इसके पीछे सबसे बड़ी वजह जंगलों की कटाई को रोकना है. इसी सबके चलते बीते कुछ दिनों में रोबस्टा कॉफी की डिमांड में तेजी आई है.

यूरोपीय यूनियन के इस नियम यूरोप में कॉफी उत्पादन करने से पहले सबूत देना होगा कि वे जंगलों को नुकसान नहीं पहुंचा रहे हैं.

यूरोपीय काउंसिल के इस नए नियम का मकसद जंगलों की कटाई को रोकना है. ऐसे में इस नए नियम से पहले ही यूरोप से कॉफी के खरीदार अपना स्टॉक बढ़ा रहे हैं इसलिए भारतीय एक्सपोर्टस से कॉफी की डिमांड बढ़ गई है.

यूरोपियन यूनियन के जंगलों को बचाने के इस फैसले से दुनियाभर में भारतीय कॉफी की डिमांड बढ़ गई है. इसी वजह से बीते कुछ महीनों में भारतीय कॉफी की डिमांड में 63 फीसदी की ग्रोथ हुई है. आपको बता दें दुनिया में जितना कॉफी का उत्पादन होता है, उसमें 40 फीसदी रोबस्टा बीन्स कॉफी होती है. वर्तमान में भारत से यूरोपीय यूनियन, बेल्जियम, जर्मनी और इटली में कॉफी का सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट किया जा रहा है.

हम खो चुके हैं, उसे जल्द ही प्राप्त कर लेंगे : अमित शाह

नई दिल्ली.

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता अमित शाह ने 'जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख: सातत्य और सम्बद्धता का ऐतिहासिक वृत्तांत' पुस्तक के विमोचन के दौरान यह स्पष्ट किया कि 'पिछले 10 सालों से मोदी सरकार कश्मीर के इतिहास और सांस्कृतिक धरोहर को पुनर्जीवित करने के लिए दृढ़संकल्पित है। साथ ही, इस बात पर भी जोर दिया कि हम जो हम खो चुके हैं, उसे जल्द ही प्राप्त कर लेंगे।'

कश्मीर से कन्याकुमारी और बंगाल से गुजरात तक विविध संस्कृतियों, धर्मों, खान-पान और पहनावे वाले इस देश में दशकों तक इतिहासकारों ने एक मिथक बनाकर रखा कि भारत की आजादी की कल्पना ही बेईमानी है। दरअसल इतिहासकारों खासकर वामपंथी इतिहासकारों ने भारत को

जियोपॉलिटिकल नजरिए से देखा और लिखा, जबकि दुनिया भर में भारत एकमात्र देश है जो जियो कल्चर है और जिसकी सीमा संस्कृतियों से बनी है।

'जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख: सातत्य और सम्बद्धता का ऐतिहासिक वृत्तांत' नामक इस पुस्तक ने बारीकी से यह साबित किया है कि देश के हर हिस्से में मौजूद संस्कृति, भाषाएँ, लिपियाँ, आध्यात्मिक विचार, तीर्थ स्थलों की कलाएं, वाणिज्य और व्यापार हजारों साल से कश्मीर में मौजूद थे।

आजादी के बाद दशकों तक कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग करने का प्रयास किया। लेकिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के कुशल मार्गदर्शन में धारा 370 नामक उस नासूर को ही समाप्त कर दिया गया, जिसके बल पर जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग करने का प्रयास किया जा रहा था। कश्मीर के लिए अपनी जान तक की बाजी लगा देने वाले शाह के दृढ़ संकल्प ने धारा 370 को हटाकर भारतीय इतिहास के एक कलंकित अध्याय को खत्म करने का अभूतपूर्व काम किया है। भारत की राजनीति को नई दिशा देने वाले अखंड भारत के सबसे बड़े पैरोकार शाह की नीतियों के तहत आज जम्मू-कश्मीर विकास के पथ पर सवार होकर नए भारत के निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है।

जल्द होगी पीएम किसान की 19वीं किस्त

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने किसानों की आर्थिक मदद के लिए कई सारी योजनाएं चलाती रहती है. इसी क्रम में सरकार ने 2019 में पीएम किसान सम्मान निधि स्कीम शुरू की, जिसके तहत सरकार पात्र किसानों को हर साल 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता करती है. जो कि साल भर में 2-2 हजार रुपये की किस्त के तौर पर किसानों के सीधे खाते में भेजी जाती है. इस स्कीम की अभी तक 18 किस्त जारी हो चुकी है और इसकी 19वीं किस्त जल्द जारी की जाएगी. पीएम किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त फरवरी 2025 में जारी की जाएगी. हालांकि, इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है. इस स्कीम के तहत करीब 13 करोड़ किसानों की मदद की जाती है. सरकार योजना की किस्त को हर 4 महीने के बाद जारी है. पिछली बार यानी पीएम किसान की 18वीं किस्त अक्टूबर के महीने में जारी की गई थी,

जिसको फरवरी में 4 महीने पूरे हो जाएंगे. इसलिए यह कयास लगाए जा रहे हैं कि पीएम किसान की अगली किस्त फरवरी 2025 में जारी की जा सकती है.भारत सरकार ने किसान सम्मान निधि जिन लोगों को नहीं मिल रही है. उनके लिए बकायदा बताया है कि किन-किन स्टेप को फॉलो करना होगा. इसके लिए सबसे पहले सरकार ने ई-केवाईसी कराने के लिए सूचना जारी कर दी थी. जिन किसानों ने अभी तक स्कीम के तहत अपनी ई-केवाईसी नहीं करवाई है. उनको इसका लाभ नहीं मिलेगा. उनके खाते में 19वीं किस्त नहीं आएगी.

पशुओ के स्वास्थ्य के लिए लॉन्च प्राइड हॉग पशु आहार

मुंबई.

कृषि-व्यवसाय क्षेत्र की अग्रणी कंपनी, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (गोदरेज एग्रोवेट) ने आज गोदरेज प्राइड हॉग के लॉन्च की घोषणा की, जो वैज्ञानिक रूप से विकसित सूअर फीड रेंज (पशु आहार श्रृंखला) है और इसे सूअरों के जीवन चक्र के हर चरण में बेहतरीन पोषण प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। इस श्रृंखला में स्टार्टर, ग्रोअर और फिनिशर वैरिएंट शामिल हैं, जो बेहतर स्वास्थ्य, प्रतिरक्षा और विकास के लिए संतुलित पोषण सुनिश्चित करते हैं।

गोदरेज एग्रोवेट ने लॉन्च कार्यक्रम के अंग के रूप में, अफ्रीकी स्वाइन फीवर (एएसएफ) के खिलाफ निवारक उपायों और सूअर फार्म प्रबंधन की सर्वोत्तम प्रथाओं पर विचार करने के लिए गुवाहाटी में एक गोलमेज़ चर्चा का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में उद्योग के विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिनमें असम लाइवस्टॉक एंड पोल्ट्री कॉर्पोरेशन लिमिटेड के

महाप्रबंधक, डॉ. पूर्णानंद कोंवर और गोदरेज एग्रोवेट में एनिमल फीड बिज़नेस (पशु चारा व्यवसाय) के सीईओ (मुख्य कार्यकारी), कैप्टन (डॉ.) ए.वाई. राजेंद्र शामिल रहे।

गोदरेज एग्रोवेट के प्रबंध निदेशक, बलराम सिंह यादव ने इस लॉन्च पर टिप्पणी में कहा, "देश में लगभग 9 मिलियन सुअर हैं जिनमें से आधे पूर्वोत्तर में हैं। सुअर पालन छोटे और सीमांत किसानों के लिए आजीविका का महत्वपूर्ण स्रोत है। किसान परिवारों के उत्थान के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्राइड हॉग उच्च गुणवत्ता वाला, शोध आधारित पशु आहार समाधान प्रदान करता है जो सुअरों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, प्रतिरक्षा बढ़ाता है और विकास क्षमता को उच्चतम स्तर पर ले जाता है। हमें विश्वास है कि यह किसानों की लाभप्रदता और उत्पादकता को बेहतर बनाने में योगदान देगा।"

एएसएफ ने 2020 में अपनी पहली पहचान के बाद से पूर्वोत्तर में सुअर किसानों के लिए कुछ बड़ी चुनौतियां पेश की हैं। यह अत्यधिक संक्रामक वायरल रोग घरेलू और जंगली सूअरों को प्रभावित करता है और इनकी उच्च मृत्यु दर के कारण गंभीर आर्थिक परिणाम होते हैं।

एएसएफ का वैक्सीन उपलब्ध न होने के कारण इसका प्रभावी प्रबंधन, सख्त जैव सुरक्षा (बायोसिक्योरिटी) प्रोटोकॉल, सुअर की गतिविधियों पर नियंत्रण, क्वारंटाइन अवधि और उचित स्वच्छता बनाए रखने जैसे निवारक उपायों पर निर्भर करता है। इसके अतिरिक्त, रोग के प्रभाव को कम करने के लिए प्रतिरक्षा (इम्युनिटी) बढ़ाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाला चारा उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण है।

महिलाओं के लिए बेस्ट स्कीम्स

नई दिल्ली.

घर में जब भी कोई मुश्किल समय आता है तो महिलाएं तुरंत अपनी सेविंग निकाल कर परिवार के सामने रख देती हैं, फिर चाहे वो सोने-चांदी में किया गया निवेश हो या फिर कैश और सरकारी स्कीम में किया गया निवेश हो. साथ ही महिलाएं वर्किंग हो या फिर हाउस वाइफ वो दोनों ही स्थिति में बचत करती हैं, इसलिए हम 2025 में महिलाओं के लिए बचत से तगड़ा मुनाफा कमाने का तरीका लेकर आए हैं, जिसमें हम निवेश के उन तरीकों के बारे में बताएंगे.

जिनको अपनाकर महिलाएं अच्छा रिटर्न पा सकती हैं. नए साल पर सोना

900 रुपए महंगा हो गया है, आज यानी 3 जनवरी 2025 को 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 81,518 रुपए पर पहुंच गई है. जानकारों का मानना है कि साल के आखिर तक सोना लखपति के आसपास पहुंच सकता है. वहीं बुरी से बुरी स्थिति में अगर सोने की कीमत गिरती भी हैं तो बहुत ज्यादा नहीं गिरेगी. इसलिए महिलाओं के लिए सोने में निवेश करना बेहतर विकल्प होगा और इसमें उनको अच्छा रिटर्न भी मिलेगा. शेयर मार्केट में निवेश करने पर तेजी से फायदा मिलता है, लेकिन कई बार इसमें तगड़ा नुकसान भी हो जाता है. इसलिए अगर महिलाएं अच्छा रिटर्न पाने के लिए निवेश करना चाहती हैं तो उन्हें म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहिए, क्योंकि म्यूचुअल फंड कंपनी के एक्सपर्ट आपके इंवेस्टमेंट को कई रिसर्च रिपोर्ट के आधार पर अलग-अलग कंपनी के शेयर में निवेश करते हैं. आपको बता दें कई म्यूचुअल फंड में 2024 में 40 से 50 फीसदी तक रिटर्न मिला है.

कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा : अमित शाह

नई दिल्ली.

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने 'जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख: सातत्य और सम्बद्धता का ऐतिहासिक वृत्तांत' पुस्तक के विमोचन के दौरान यह स्पष्ट किया कि 'आजादी के बाद दशकों तक कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग करने का प्रयास किया। लेकिन, अमृतकाल में धारा 370 नामक उस नासूर को ही समाप्त कर दिया गया, जिसके बल पर जम्मू-कश्मीर को भारत से अलग करने का प्रयास किया जा रहा था।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में कश्मीर में आतंकवाद के इकोसिस्टम को पूरी तरह समाप्त कर, शांति और स्थिरता को मजबूती देने का अभूतपूर्व काम किया गया है। धारा 370 खत्म होने के बाद कश्मीर में आतंकी घटनाओं में 70% से अधिक कमी हुई है और ये सिद्ध करता है कि धारा 370 आंतकवाद की पोषक थी। कश्मीर में पथराव की 2018 में

2,100 घटनाएं हुईं, जबकि 2023 में एक भी घटना नहीं हुई है। 33 साल बाद कश्मीर घाटी में थियेटर में नाइट शो चला है, ताजिया का जुलूस निकला है

नेपाल से काशी, बिहार, कश्मीर और अफगानिस्तान तक की बौद्ध धर्म की यात्रा को संदर्भों के साथ प्रमाणित करने वाली यह पुस्तक बताती है कि भगवान बुद्ध के बाद परिष्कृत किए गए सिद्धांतों का जन्म स्थान भी कश्मीर था और आज के बौद्ध धर्म के विद्यमान बौद्ध धर्म के सिद्धातों की जन्मभूमि भी कश्मीर ही है। कश्मीर के 8 हजार साल के इतिहास को इस पुस्तक में ऐसे उकेरा गया है मानो एक पात्र में गंगा को समाहित किया जा रहा हो।

शासकों को खुश करने के लिए लगभग 150 साल तक इतिहास का मतलब दिल्ली के दरीबे से बल्लीमारान और लुटियंस से जिमखाना तक सिमट कर रह गया था। लेकिन मोदी सरकार में अंत्योदय की राजनीति करने वाले अमित शाह ने इतिहासकारों को संदेश दिया कि शासकों को खुश करने के लिए लिखे गए इतिहास से निजात पाने का समय अब आ गया है। कश्मीरी, बाल्टी, डोगरी, लद्दाखी जैसी भाषाओं को शासन की भाषा बनाकर उसे दीर्घायु करने का काम मोदी सरकार ने किया है। कश्मीर के लिए अपनी जान तक की बाजी लगा देने वाले शाह के दृढ़ संकल्प ने धारा 370 को हटाकर भारतीय इतिहास के एक कलंकित अध्याय को खत्म करने का अभूतपूर्व काम किया है। भारत की राजनीति को नई दिशा देने वाले अखंड भारत के सबसे बड़े पैरोकार शाह की नीतियों के तहत आज जम्मू-कश्मीर विकास के पथ पर सवार होकर नए भारत के निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है

सैमसंग इंडिया ने "बिग टीवी डेज़" कैम्पेचन की घोषणा की

गुरुग्राम.

भारत का सबसे बड़े कंज्यू मर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने नए साल और गणतंत्र दिवस के मौके पर 'बिग टीवी डेज़' कैम्पेसन लॉन्च किया है। इसमें बड़े स्क्रीन वाले प्रीमियम टीवी पर शानदार ऑफर्स दिए जा रहे हैं। इनमें नियो क्यूएलईडी 8 के, नियो क्यूएलईडी 4 के, ओएलईडी और 4 के यूएचडी टीवी के मॉडल शामिल हैं। यह कैम्पेरन 3 जनवरी से 31 जनवरी 2025 तक चलेगा। जो उपभोक्ता अपने घर पर मनोरंजन के अनुभव को और बेहतर बनाना चाहते हैं, वे इस अविश्सवनीय मौके का लाभ उठा सकते हैं। सैमसंग चुनिंदा खरीदारी पर 2,04,990 रुपये तक का मुफ्त टीवी और 99,990 रुपये तक के मुफ्त साउंडबार्स दे रहा है। सैमसंग के प्रीमियम टीवी देश भर में लोगों के लिए टीवी देखने के अनुभव को बेहतर बना रहे हैं।

यह एआई अपस्केलिंग और शानदार तकनीक से लैस हैं। इनसे तस्वीरें और अधिक स्पष्ट, साफ और असली लगती हैं। नए साल में सैमसंग उपभोक्ताओं को क्रांतिकारी ऑडियो-विजुअल अनुभव देने के लिए तैयार है। सैमसंग इंडिया में विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के सीनियर डायरेक्टur विप्लेश डांग ने कहा, "सैमसंग में हम अपने 'बिग टीवी डेज़' कैम्पेनन के साथ घरेलू मनोरंजन को एक नई परिभाषा दे रहे हैं। लोगों को एआई से लैस प्रीमियम टीवी पर शानदार डील देकर हम ग्राहकों के अनुभव को और बेहतर बना रहे हैं। ये टीवी शानदार तस्वीर, जबर्दस्त आवाज और स्मार्ट कनेक्टिविटी के साथ आपके लिविंग रूम को सिनेमाहॉल में बदल देते हैं। सैमसंग टीवी दिखने में जितने शानदार और स्टाइलिश हैं, उतने ही सुरक्षित भी हैं। इनमें एक विशेष सुरक्षा प्रणाली सैमसंग नॉक्स होती है, जो आपके डेटा और निजी जानकारी को सुरक्षित रखती है। सैमसंग ग्राहकों को एक नया, बेहतर और और रोमांचक अनुभव प्रदान कर काफी उत्साहित है। इससे उनका टीवी देखने का मजा और भी दोगुना हो जाएगा। नए साल में सैमसंग के इस टीवी की खरीदारी कर यूजर अतिरिक्त लाभ उठा सकते हैं। सैमसंग के ये नए टीवी एआई और क्वॉन्टम्सम मैट्रिक्स टेक्नोलॉजी से पावर्ड हैं, जिससे तस्वीरों में बेमिसाल कॉन्ट्रास्ट, स्पष्टता और चमक आती है। इससे हर कमरे में सिनेमाहॉल जैसा अनुभव मिलता है।

> रेंज पर आकर्षक ऑफर्स का लाभ उठाएं

टीवी देखने के अनुभव को बदलने के लिए प्रतिबद्ध

सैमसंग अपने 'बिग टीवी डेज़' कैंपेन से एआई टेक्नोलॉजी को सभी तक पहुंचाने और भारतीय उपभोक्ताओं के टीवी देखने के अनुभव को बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। सैमसंग बिग टीवी डेज़ सेल में आपको इनोवेशन, प्रीमियम डिजाइन और बेहतरीन वैल्यू का सही संतुलन मिलता है। नए ऑफर्स नियो क्यूएलईडी 8 के, नियोक्यूएलडी 4के और ओएलईडी टीवी रेंज पर उपलब्ध हैं, यह 98 इंच, 85 इंच, 77 इंच, 75 इंच, 65 इंच, 55 इंच के आकार में मिलते हैं।

निकाल
महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र सह्याद्री
• राजलक्ष्मी विकली लॉटरी •
सोडत सायं. 4:30 वाजता

सोडत दर शुक्रवार • सोडत क्रमांक 01 • तिकीट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 03/01/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/- — SR-04 : 4822 — महावीर लॉटरी सेंटर, कोल्हापूर

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — 4709 — किशोर लॉटरी सेंटर, सांगली

तिसरे बक्षिस रु. 2000/- — 2831 — 3893 पवार लॉटरी - ठाणे — 5929 श्री गणेश एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई

चौथे बक्षीस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)

1057	1569	3320	4065	5055
1071	1710	3553	4095	5190
1119	1758	3645	4140	5451
1163	1797	3682	4224	5534
1193	2240	3735	4439	5619
1288	2662	3830	4524	5766
1317	2672	3943	4781	5875
1415	3143	4033	4935	5893

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY
महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत — तिकीट किंमत रु.50/- — सोडत दिनांक 07-01-2025
जिंका फक्त 5 अंकावर रु. 22 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु. (रु. 11 लाखाची x 2 बक्षिसे)
दुसरे बक्षिस रु. 2 लाख (रु. 10 हजाराची x 20 बक्षिसे)
सातवे बक्षिस रु. 12 लाख (रु. 150 ची x 8000 बक्षिसे)
छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. • अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. • प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र सह्याद्री राजलक्ष्मी विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 03/01/2025
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र नाताळ नवीन वर्ष भव्यतम सोडत
तिकीट किं. रु. 200/- • सोडत क्रमांक 04 • सोडत दिनांक 03/01/2025

मालिका	NY-01	NY-02	NY-03	NY-04	NY-05	NY-06	NY-07	NY-08	NY-09	NY-10
पहिले बक्षिसे रु. 50 लाख (रु. 25 लाखाची 2 बक्षिसे)	-	0535	-	-	-	-	3054	चिराग एन्टरप्रायझेस - नाशिक प्रिन्स एजन्सी - मुंबई यांचा मार्फत		

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 10,000/-	0323	0726	0908	2406	3467	3953	4641	4745	8993	9160
	आजच्या सोडतीत रु. 10000/- ची अंदाजित 70 बक्षिसे जिंकली									
तिसरे बक्षिस रु. 5000/-	0259	1211	2326	2840	4202	5660	8694	9137	9264	9931
चौथे बक्षिस रु. 2000/-	1574	2238	3381	3426	3563	4697	7278	8449	9262	9825
पाचवे बक्षिस रु. 1000/-	1195	3310	3736	4471	5369	6995	7028	8785	8900	9524

सहावे बक्षीस रु. 500/- (सर्व मालिकांसाठी)

500/-	0779	1169	2053	2590	3336	3957	4944	6028	6759	7790	8820	9409
0028	0796	1232	2103	2602	3338	3976	5013	6046	6836	7881	8826	9480
0048	0821	1319	2112	2605	3343	3991	5029	6055	6924	7947	8835	9490
0061	0832	1353	2176	2644	3352	3996	5049	6068	6992	7976	8850	9491
0094	0837	1368	2186	2649	3359	4162	5065	6071	7047	7979	8852	9498
0101	0876	1376	2192	2669	3376	4174	5083	6104	7056	8024	8871	9499
0178	0900	1411	2212	2725	3379	4222	5123	6151	7106	8086	8947	9547
0220	0916	1416	2228	2798	3432	4259	5172	6160	7171	8094	8975	9554
0229	0925	1450	2233	2822	3436	4269	5221	6212	7174	8138	8986	9693
0279	0950	1456	2251	2834	3437	4420	5225	6248	7177	8184	9005	9694
0287	0959	1471	2254	2838	3463	4425	5245	6260	7271	8199	9008	9697
0322	1014	1484	2261	2857	3492	4448	5277	6267	7291	8227	9029	9716
0348	1076	1553	2266	2862	3495	4456	5302	6290	7302	8253	9047	9733
0354	1079	1704	2273	2881	3534	4470	5312	6361	7336	8278	9092	9789
0403	1086	1711	2275	2883	3538	4501	5320	6384	7357	8408	9097	9825
0411	1110	1713	2283	2956	3568	4577	5355	6391	7459	8418	9133	9829
0440	1115	1721	2288	2961	3625	4634	5414	6416	7467	8476	9211	9862
0442	1119	1724	2295	3028	3638	4664	5536	6459	7499	8546	9225	9890
0500	1121	1734	2362	3102	3737	4704	5655	6465	7537	8555	9239	9916
0504	1125	1737	2393	3163	3740	4729	5673	6561	7543	8578	9259	9921
0507	1133	1818	2438	3173	3754	4740	5695	6616	7590	8598	9267	9922
0530	1141	1821	2470	3207	3780	4749	5706	6625	7640	8716	9338	9932
0531	1147	1841	2475	3228	3786	4771	5743	6653	7672	8748	9345	9957
0562	1148	1860	2476	3233	3853	4828	5835	6665	7687	8783	9379	9960
0607	1154	1919	2522	3236	3858	4848	5850	6696	7737	8787	9383	9970
0704	1158	2002	2523	3287	3924	4864	5859	6705	7751	8795	9395	9994
0709	1160	2032	2556	3311	3943	4916	6026	6706	7787	8802	9399	9999

छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जवाबदार नाही. • अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. • प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र नाताळ नवीन वर्ष भव्यतम सोडत — सोडत दिनांक 03/01/2025
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

महाराष्ट्र में लाडकी बहिन योजना से किन महिलाओं के कटेंगे नाम?

मुंबई.

महाराष्ट्र सरकार ने 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना' के फर्जी लाभार्थियों के बारे में शिकायतों के आधार पर कार्रवाई करने का फैसला किया है. साथ ही उनके वेरिफिकेशन के लिए आयकर विभाग और परिवहन विभाग से जानकारी मांगी है. महाराष्ट्र की महिला और बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने गुरुवार को यह घोषणा की. उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार केवल फर्जी लाभार्थियों के बारे में शिकायतों का समाधान करेगी.

न्यूज एजेंसी पीटीआई के अनुसार, पिछले साल अगस्त में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली पिछली सरकार की ओर शुरू की गई लाडकी बहिन योजना के तहत पात्र महिलाओं को 1,500 रुपये का मासिक भत्ता दिया जाता है. महाराष्ट्र सरकार लाडकी बहिन योजना के लाभार्थियों की जांच करने के लिए कोई अभियान नहीं चला रही है. हमने किसी भी सरकारी नीति में बदलाव नहीं किया है. हालांकि, बाद में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने संकेत दिया कि योजना के लाभार्थियों की जांच की जाएगी.

ने क्या कहा?

अदिति तटकरे ने कहा कि हम केवल स्थानीय सरकारी कार्यालयों में दर्ज शिकायतों को ही एड्रेस कर रहे हैं. इससे पहले उन्होंने कहा था कि योजना के लाभार्थियों के संबंध में कोई जांच नहीं की जाएगी. हमने आयकर विभाग और राज्य परिवहन विभाग से डाटा मांगा है, क्योंकि कुछ शिकायतों में उन लाभार्थियों को शामिल किया गया है, जिनकी सालाना आय 2.5 लाख रुपये की निर्धारित सीमा से अधिक है या जो चार पहिया वाहन के मालिक हैं.

उन्होंने कहा कि एक बार हमें यह डाटा मिल जाने के बाद हम उन शिकायतों को एड्रेस कर पाएंगे. यह पूछे जाने पर कि जांच के बाद 2.5 करोड़ लाभार्थियों में से कितने को योजना से हटाया जा सकता है. उन्होंने कहा कि हमारे पास इस बारे में कोई डाटा नहीं है कि कितने लाभार्थियों को योजना से बाहर रखा जाएगा. हमें इसके बारे में जानकारी हासिल करने के लिए कुछ समय चाहिए.

'झूठे दस्तावेज देकर लोग ले रहे हैं लाभ'

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे कुछ महिलाएं शादी करने के बाद कर्नाटक चली गई हैं. ऐसे में स्थानीय अधिकारियों को लाभार्थियों की ओर से लाभ का दावा करने के लिए झूठे दस्तावेज प्रस्तुत करने की रिपोर्ट मिली थी. उन्होंने कहा कि कुछ लाभार्थियों ने राज्य सरकार को जानकारी दी है कि वे सरकारी नौकरी हासिल करने के बाद इस योजना से अपना नाम वापस लेना चाहते हैं.

अन्य योजनाओं से वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले लाभार्थियों के बारे में उन्होंने कहा कि यदि कोई लाभार्थी किसी अन्य सरकारी योजना से सहायता मिल रही है, तो हम केवल अंतर मिलान निधि प्रदान करेंगे.

उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जैसे यदि किसी महिला को एक योजना के तहत 1,000 रुपये मिलते हैं और फिर वह लाडकी बहिन योजना में नामांकित होती है, तो उसे पूरे 1,500 रुपये के बजाय राज्य सरकार से 500 रुपये मिलेंगे. पालघर, यवतमाल, वर्धा और सतारा के फलटन जैसे जिलों से शिकायतें सामने आई हैं, जिससे मंत्रालय ने क्रॉस-सत्यापन प्रक्रिया शुरू करने के बारे सोचा है.

सीएम दिख रहे काफी एक्टिव: सुप्रिया सुले

मुंबई.

महाराष्ट्र की सियासत अजब होती जा रही, इसके लिए सभी के प्रिडक्शन गलत ही साबित हो रहे। बीते दिन सामना के संपादकीय पेज पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तारीफ के पुल बांधे गए। आज पुणे में मीडिया से बात करते हुए शरद पवार की बेटी और एनसीपी-एसपी सांसद सुप्रिया सुले ने भी मुख्यमंत्री के एक्टिव मोड की तारीफ की। इसे राजनीतिक पंडित भी कुछ बड़ा होने का संकेत समझ रहे हैं।

सरकार को बहुत बड़ा मैंडेट मिला

सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि इस सरकार को बहुत बड़ा मैंडेट मिला है और कल जो इनकी पहली कैबिनेट हुई और आपके ही चैनल पर जो मैंने देखा की कई मंत्रियों ने अभी तक पदभार लिया नहीं है और आपके चैनल पर ही मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्दी सबको पदभार लेना चाहिए और काम पर लगना चाहिए।

मुख्यमंत्री तो एक्टिवली काम कर ही रहे

आगे कहा कि मुझे आश्चर्य है कि इतने बड़े मैंडेट के बाद सरकार से एक्शन मोड की अपेक्षा जनता को थी क्यूंकि जनता ने इन्हे भर-भर कर वोट दिया है। सिर्फ माननीय मुख्यमंत्री ही एक्शन मोड में दिख रहे हैं। मुख्यमंत्री को छोड़ दें तो और कोई भी मुझे इस सरकार में एक्शन मोड में दिखाई नहीं दे रहा है। मेरी 2025 में अपेक्षा है कि मुख्यमंत्री तो एक्टिवली काम कर ही रहे हैं लेकिन उनकी टीम भी काम करे क्यूंकि जनता ने उन सब को वोट दिया है।

50 वर्षीय मालिक ने नाबालिग लड़की से दो दिन किया रेप

वसई.

महाराष्ट्र के वसई से रेप की एक खौफनाक घटना सामने आई है। दरअसल, वसई के सतीवली में एक कंपनी में काम करने वाली नाबालिग लड़की के साथ कंपनी के मालिक ने लगातार दो दिन रेप जैसे घिनौने अपराध को अंजाम दिया। घटना 31 दिसंबर और 1 जनवरी की है। नाबालिग ने वालीव पुलिस स्टेशन में रेप की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

31 दिसंबर को ऑफिस में रोका

पीड़िता 16 साल की है और वसई पूर्व के सतीवली में एक ऑफसेट प्रिंटिंग कंपनी में काम करती है। 31 दिसंबर को कंपनी के मालिक प्रदीप प्रजापति (50 वर्ष) ने पीड़िता से कहा कि उसके खिलाफ शिकायत है। इसे निपटाने की बात कहकर उसे ऑफिस बुलाया गया और दोपहर करीब 3:30 बजे ऑफिस में ही उसके साथ रेप किया। इससे पीड़ित लड़की काफी डर गई थी।

जनवरी को ऑफिस की छत पर ले गया इसके बाद वह अगले दिन 1 जनवरी को काम पर आई। शाम को जब सभी कर्मचारी घर चले गए, तो प्रजापति ने उसकी शिकायत की बात बताकर रोका। इसके बाद वह उसे कंपनी की छत पर ले गया और उसके साथ दोबारा दुष्कर्म किया। आखिरकार पीड़ित लड़की ने वालीव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

इस संबंध में वालीव पुलिस स्टेशन में आरोपी प्रदीप प्रजापति के खिलाफ भारतीय न्यायिक संहिता की धारा 64, 65(1) के साथ-साथ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (POCSO) की धारा 4, 8, 12 के तहत मामला दर्ज किया गया है। वालिव पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दिलीप घुगे ने कहा, घटना के बाद पीड़िता हमारे पास आई, लेकिन कंपनी बंद हो गई थी। उन्होंने कहा कि आरोपी की पहचान की गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

मुंबई में बेटी बनी दानव! बुजुर्ग मां को घोंपा चाकू

मुंबई.

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आ रही है. यहां के कुर्ला इलाके में एक महिला ने अपनी ही बुजुर्ग मां को मौत के घाट उतार दिया. हत्या के पीछे का जो मंशा सामने आई है वह भी हैरान करने वाली है. दरअसल, आरोपी महिला को ऐसा लगता था कि उसकी मां अपनी बड़ी बेटी से ज्यादा प्यार करती हैं और उससे नहीं. इस बात से नाराज होकर उसने अपनी मां की ही हत्या कर दी.

मुंबई में कुर्ला के कुरैशी नगर इलाके में रह रही एक महिला ने अपनी बुजुर्ग मां की हत्या सिर्फ इसलिए कर दी क्योंकि उसे लगता था कि उसकी मां उसकी बड़ी बहन से प्यार करती थी. हत्या करने वाली 41 वर्षीय आरोपी बेटी का नाम रेशमा मुजफ्फर काजी है. मृतक मां की उम्र 62 साल थी, जिसका नाम सबीरा बानो अजगर शेख था.

बेटी से मिलने गई थी मां, तभी कर दी हत्या मृतक महिला अपने बेटे के साथ मुंब्रा में रहती थी, लेकिन गुरुवार (2 जनवरी) की रात वह अपनी बेटी से मिलने कुर्ला के कुरैशी नगर आई थीं. तभी आरोपी रेशमा अपनी मां से झगड़ने लगी, उसका मानना था कि उसकी मां उसकी बड़ी बहन से ज़्यादा प्यार करती है और उससे नफरत.

पुलिस स्टेशन जाकर खुद किया सरेंडर

झगड़ा इतना बढ़ गया कि बेटी ने घर के किचन से चाकू लिया और उससे अपनी मां की हत्या कर दी. इस हत्या को अंजाम देने के बाद वह सीधे चूनाभट्टी पुलिस स्टेशन पहुंची और पुलिस को बताया कि उसने अपनी मां की हत्या कर दी है. इसके बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव बरामद करने के बाद आरोपी महिला को हिरासत में ले लिया. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है.

मैं मंत्री पद नहीं चाहता: भुजबल

नाशिक. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने एक बार फिर मंत्री पद को लेकर सवाल पूछे जाने पर बयान दिया है। गुरुवार को उन्होंने कहा कि वह अपने किसी सहयोगी की कीमत पर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नहीं बनना चाहते। वरिष्ठ नेता छगल भुजबल अपनी विदेश यात्रा से लौटे हैं। वहीं विदेश यात्रा से लौटने के बाद नासिक में उन्होंने पत्रकारों से कहा, "मैं मंत्री पद नहीं चाहता, अगर इसके लिए किसी और को मंत्रिमंडल से हटाना पड़े।" उन्होंने अपनी विदेश यात्रा को लेकर कहा कि मैं 1967 से राजनीति में सक्रिय हूं, लेकिन कभी-कभी राजनीतिक दिमाग को आराम की जरूरत होती है। दरअसल, कांग्रेस के विजय वडेट्टीवार और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के जितेंद्र आव्हाड ने दावा किया था कि छगन भुजबल को धनंजय मुंडे को हटाकर देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल किया जाएगा। धनंजय मुंडे अपने सहयोगी वाल्मीक कराड की मसाजोग सरपंच संतोष देशमुख की हत्या से संबंधित जबरन वसूली के मामले में कथित संलिप्तता को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं।

महाराष्ट्र के सोलापुर में वंदे भारत ट्रेन पर पथराव

सोलापूर.

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव की घटना रुकने का नाम नहीं ले रही है। इसी कड़ी में महाराष्ट्र के सोलापुर में एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पत्थर फेंका गया है। मुंबई से सोलापुर जाने वाली वंदे भारत ट्रेन पर जेउर रेलवे स्टेशन के पास किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा पत्थर फेंका गया। इस कारण सी-11 कोच का कांच टूट गया। फिलहाल इस घटनाक्रम में किसी के भी घायल होने की कोई खबर नहीं है। रेलवे और प्रशासन द्वारा इस मामले की जांच की जा रही है। बता दें कि इससे पूर्व हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में दिल्ली-ऊना वंदे भारत ट्रेन के डिब्बों पर पथराव की घटनाओं के बाद ट्रेन में सुरक्षा बल के जवानों की तैनाती की गई थी।

हिमाचल जाने वाली वंदे भारत पर भी हुआ था पथराव

जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि जिन स्थानों पर घटनाएं हुईं, उन पर भी निगरानी रखी जा रही है। रेलवे के एक प्रवक्ता ने बताया, "रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के दस जवानों को ट्रेन में तैनात किया गया है और संदिग्ध स्थानों पर नजर रखी जा रही है।" प्रवक्ता ने बताया कि चंडीगढ़ से आरपीएफ के छह जवान सोमवार रात वंदे भारत ट्रेन में सवार हुए, जबकि नांगल और ऊना से दो आरपीएफ तथा दो जीआरपी जवान ट्रेन में चढ़े। अधिकारियों के अनुसार, शनिवार और रविवार को ऊना में अलग-अलग जगहों पर ट्रेन पर पथराव किया गया। अधिकारियों के अनुसार हालांकि, ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों में से कोई घायल नहीं हुआ लेकिन इसमें ट्रेन के कई शीशे क्षतिग्रस्त हो गए।

पहले भी होती रही हैं ऐसी घटनाएं

इससे पूर्व छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में 'ट्रायल रन' के दौरान दुर्ग-विशाखापत्तनम वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव करने के आरोप में रेलवे सुरक्षा बल ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया था। रेलवे सुरक्षा बल (महासमुंद) के निरीक्षक प्रवीण सिंह धाकड़ ने बताया कि घटना शुक्रवार रात लगभग नौ बजे बागबाहरा रेलवे स्टेशन के करीब हुई थी, जब ट्रेन 'ट्रायल रन' के दौरान विशाखापत्तनम से दुर्ग लौट रही थी। धाकड़ ने बताया कि ट्रेन 'ट्रायल रन' के लिए दुर्ग से रवाना हुई और रायपुर से गुजरते हुए महासमुंद पहुंची थी। इसके बाद आगे की यात्रा के लिए ट्रेन रवाना हुई थी। उन्होंने बताया कि वापसी में कुछ असामाजिक तत्वों ने बागबाहरा के पास चलती ट्रेन पर पत्थर फेंके, जिससे तीन डिब्बों सी2, सी4 और सी9 की खिड़कियों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

उद्धव ठाकरे के 'सामना' में देवेंद्र फडणवीस की तारीफ

मुंबई. महाराष्ट्र की राजनीति में उठा-पटक का माहौल बना रहता है. एक समय था जब बीजेपी और उद्धव ठाकरे की शिवसेना साथ हुआ करते थे. फिर सियासत बदली और शिवसेना का बंटवारा हुआ. उद्धव सेना विपक्ष में चली गई. हालांकि, अब शिवसेना यूबीटी के मुखपत्र सामना का संपादकीय कुछ और ही संकेत दे रहा है.

विपक्ष में आने के बाद से बीजेपी को कोसने वाले शिवसेना यूबीटी अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की तारीफ में पुल बांधती दिख रही है. सामना के संपादकीय में लिखा गया है, "मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नए साल में काम की शुरुआत की और इसके लिए उन्होंने गढ़चिरौली जिले को चुना. सीएम फडणवीस गढ़चिरौली पहुंचे और नक्सल प्रभावित जिले में विकास के एक नए पर्व की शुरुआत की. जब पूरा देश नए साल के स्वागत और जश्न में मगन था, तब देवेंद्र फडणवीस ने नए साल का पहला दिन गढ़चिरौली में बिताया. सिर्फ बिताया ही नहीं, बल्कि कई विकास परियोजनाओं का भूमिपूजन, उद्घाटन किया. कुछ परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया."

सामना में लिखा गया, "सीएम देवेंद्र फडणवीस ने गढ़चिरौली के विकास के लिए नए दौर का जो वादा किया है, अगर यह सच है तो न केवल गढ़चिरौली, बल्कि पूरे महाराष्ट्र के लिए यह सकारात्मक होगा. मुख्य रूप से गढ़चिरौली जिले के आम लोगों, गरीब आदिवासियों के लिए यह दिन वास्तव में एक महत्वपूर्ण मोड़ होगा."

बच्चू कडु ने दिव्यांग मंत्रालय प्रमुख से दिया इस्तीफा

अमरावती. प्रहार जनशक्ति पार्टी प्रमुख बच्चू कडु ने दिव्यांग कल्याण अभियान के प्रमुख पद से इस्तीफा दे दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को अपना इस्तीफा भेजते हुए कडु ने कहा कि, "दिव्यांगों के सर्वांगीण विकास के लिए मंत्रालय का काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है। मुझे लगता है कि पद पर रहते हुए इस काम के होने की संभावना कम होती जा रही है।" कडु ने कहा, "दिव्यांगों के साथ बेईमानी करना उनके लिए संभव नहीं होगा।" मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को अपना त्यागपत्र भेजते हुए उन्होंने महाराष्ट्र में भारत का पहला विकलांग मंत्रालय बनाने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को धन्यवाद दिया। लेकिन विकलांगों के समग्र विकास के लिए मंत्रालय का काम अभी तक शुरू नहीं हुआ है। मुझे नहीं लगता कि मेरे इस विभाग के अध्यक्ष रहते हुए यह काम हो पाएगा। मैं किसी विकलांग व्यक्ति के साथ बेईमानी नहीं कर सकता। इसलिए मैं दिव्यांग कल्याण मंत्रालय के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे रहा हूं।

हालात सामान्य; प्रशासन ने हटाया कर्फ्यू

जलगाव.

महाराष्ट्र के जलगांव जिले के पलाधी गांव में बीते दिनों हुई हिंसा के बाद स्थिति अब समान्य हो गई है. इस वजह से पुलिस प्रशासन द्वारा लगाए गए कर्फ्यू को हटा दिया गया है. यह झड़प दो समूहों के बीच बीते 31 दिसंबर 2024 की रात करीब 11 बजे हुई, जब रोड रेज की एक घटना के बाद करीब 100 से 150 लोग इकट्ठा हो गए थे. इस दौरान स्थिति बिगड़ने पर कुछ दुकानों और गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया था. घटना के बाद पुलिस ने इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया है.

एक अधिकारी ने बताया कि कसाईवाड़ा में राज्य के मंत्री गुलाबराव पाटिल की कार के चालक और स्थानीय लोगों के एक समूह के बीच उस समय तीखी नोकझोंक हुई थी, जब चालक ने हॉर्न बजाकर रास्ता देने के लिए कहा. हालांकि, शिवसेना के नेता और जलापूर्ति और स्वच्छता मंत्री पाटिल इस मौके पर मौजूद नहीं थे, लेकिन उनके परिवार का एक सदस्य कार में सवार था.

हालात सामान्य

उन्होंने बताया कि हालांकि बहस मौके पर ही खत्म हो गई थी, लेकिन बाद में इलाके के कुछ लोग गांव के चौराहे पर गए और विरोध प्रदर्शन किया. इसके बाद एक और समूह वहां पहुंचा, जिसके बाद झड़प हुई. अधिकारी ने बताया कि गांव में कई दुकानें जला दी गईं. इसके बाद गांव में अतिरिक्त पुलिसकर्मियों, राज्य रिजर्व पुलिस बल और दंगा नियंत्रण पुलिस टीमों के साथ-साथ दमकल वाहनों को तैनात किया गया था. हालांकि अब स्थिति नियंत्रण में है. जलगांव के जिला कलेक्टर आयुष प्रसाद ने बताया कि प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए स्थिति को संभाला और नुकसान को कम से कम करने की कोशिश की. कलेक्टर ने कहा ग्रामीणों से बात की गई और उन्होंने माना कि ऐसी घटना नहीं होनी चाहिए थी. इसके बाद कर्फ्यू हटा दिया गया.

स्वागत अब माला और बुके से नहीं होगा

मुंबई. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एक राज्य के सभी ज़िला अधिकारियों को आदेश देकर कहा है कि उनके दौरे के दौरान कोई हार, माला या बुके लेकर नहीं आएगा। साथ ही पुलिस द्वारा मुख्यमंत्री को दिए जानेवाले गार्ड ऑफ़ ऑनर की परंपरा भी बंद की जाए।

मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास खड़गे द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है, "माननीय मुख्यमंत्री द्वारा यह निर्देश दिया गया है कि अब से अपने जिले का दौरा करते समय निम्नलिखित निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए।

१. कोई भी अधिकारी गुलदस्ता लेकर नहीं आएगा

२. मुख्यमंत्री ने पुलिस बल द्वारा उनके दौरे पर दिए जाने वाले गार्ड ऑफ ऑनर की परंपरा को बंद करने के आदेश दिए हैं। कृपया उपरोक्त निर्देशों का सख्ती से पालन करें।

यह अधिसूचना सभी जिला मजिस्ट्रेट और सभी पुलिस आयुक्त/पुलिस अधीक्षकों के लिए जारी की गई है।

आज का राशिफल

मेष- आज आपको अपने सभी कामों को सोच समझ कर ही करना होगा, नहीं तो समस्या हो सकती है।

वृषभ-आज का दिन आपके लिए आय के सोर्स को बढ़ाने वाला रहेगा। आपकी आय बढ़ने से समस्याएं कम होंगी।

मिथुन -आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको अपने माता-पिता की बातों को इग्नोर नहीं करना है.

कर्क -आज का दिन आपके लिए वाणी की कोमलता को बनाए रखने के लिए रहेगा। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपको समय का सदुपयोग करना होगा।

कन्या- आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह में आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए रहेगा।

तुला -आज का दिन आपके धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। धन को लेकर आपको ज्यादा मेहनत करने की आवश्यकता नहीं है.

वृश्चिक-आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप किसी की कही सुनी बातों में न आएं.

धनु -आज का दिन आपके लिए मिला जुला रहने वाला है। विद्यार्थियों को बौद्धिक व मानसिक बोझ से छुटकारा मिलेगा।

मकर -आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आपको ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से खटपट होने की संभावना है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए समस्याओं भरा रहने वाला है। बिजनेस में किसी योजना पर विराम लग सकता है.

मीन- आज का दिन आपके लिए किसी उलझनों से दूर रहने के लिए रहेगा, इसलिए आप कोई बात बहुत ही सोच समझ कर बोले।

मुंबई की हवा में क्यों घुल गया यह जहर?

मुंबई:

मायानगरी मुंबई को सपनों का शहर कहा जाता है, मगर अब ये शहर प्रदूषित हो चुका है. कभी नहीं रुकने वाली यहां की जिंदगी अब लोगों की सांसें थम सी गई हैं. लोगों को अब प्रदूषण की वजह से गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है. शहर में बढ़ते प्रदूषण ने लोगों की परेशानियों को बढ़ा दिया है. सुबह के समय धुंध के कारण विजिबिलिटी कम हो जाती है और हवा की गुणवत्ता दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है. इस बार प्रदूषण ने पिछले तीन सालों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. लगातार धुंध से घिरी मायानगरी की हवा अब लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन चुकी है और इसका सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ रहा है. यह प्रदूषण उनकी सेहत को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है. हालांकि, प्रदूषण रोकने के लिए कई तरह के उपाय किए जा रहे हैं, इन सबके बावजूद समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई हैं.

मुंबई के बढ़ते प्रदूषण का असर लोगों के स्वास्थ्य पर किस तरह से पड़ रहा है इस बारे में डॉ इरफ़ान अली (इंटेंसिविस्ट, बालरोग, केजे सोमैया अस्पताल) ने बताया कि, हर दिन 20-30 मरीज़ हम देख रहे हैं, सारी तकलीफ सांस रिलेटेड है. 14 बेड के हमारे इस आईसीयू में 9 सांस की दिक्कत वाले मरीज़ हैं. एक मरीज का एक्सरे के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि इसके लंग्स सफेद दिख रहे हैं और सिर्फ़ लंग्स नहीं, जब ये अफेक्ट होता है तो हृदय पर भी ज़ोर पड़ता है, हार्ट की दिक्कत और न्यूरो प्रॉब्लम भी लोग टर्म में उत्पन्न होना शुरू होता है.

प्रदूषण से बढ़ रही समस्या

वो लोग जो ख़ुद को सेहतमंद मानते हैं वो भी अब आँखों में जलन, एक महीने की लंबी सूखी खांसी, स्किन की दिक्कत जैसी कई तकलीफ़ों का इज़हार कर रहे हैं. इस बारे में जब लोगों से बात की गई जो आने-जाने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करते हैं. उन्होंने बताया कि बस में तो बैठना मुश्किल हो जाता है, आँखें जलती हैं. एक एक महीने तक सूखी खांसी होती है, साँस लेने में तकलीफ़ है जहाँ देखो मिट्टी धूल, हर जगह सड़क खुदी हुई हैं. बता दें कि इस धुंध से कोई महफ़ूज़ नहीं है, मुंबई की गगनचुंबी इमारतों में रहने वाले वो रईस भी नहीं जो साफ़ हवा और अच्छे व्यू के लिए करोड़ों खर्च करते हैं.

कार्यालय नगरपंचायत निलडोह
तालुका हिंगणा जिल्हा नागपूर
Email: apnildobor.gmail.com PH 07104-297971
नपंनि/जाक्र/२०/२०२४ दिनांक ०३/०१/२०२५

निविदा सुचना

प्रसिद्धी दिनांक : ०४/०१/२०२५

मुख्याधिकारी नगर पंचायत निलडोह जिल्हा नागपूर यांचे वतीने सर्वसाधारण माहितीकरीता प्रसिद्ध करण्यात येते की, नगर पंचायत निलडोह कडून नगर पंचायत निधी अंतर्गत एकुण ३ कामे करावयाचे असुन त्याकरीता महाराष्ट्र शासन सार्वजनिक बांधकाम विभागाकडे नोंदणीकृत कंत्राटदार कडून द्विलिफाफा पद्धतीने सिलबंद निविदा दि. १३/०१/२०२५ पर्यंत मागविण्यात येत आहेत, कामाचे कोरे निविदा प्रपत्र दि. ०६/०१/२०२५ पासुन ते दि. १०/०१/२०२५ पर्यंत कोरे निविदा प्रपत्र रु ५०००० चा भरणा करून कार्यालयीन वेळेत प्राप्त करता येईल, कामाचे सिलबंद निविदा दि. १३:०१/२०२५ ला दुपारी २.०० वाजेपर्यंत सादर करता येईल. कामाचे विस्तृत विवरण, अनामत रक्कम व कामाची मुदत व इतर आवश्यक माहीती नगरपंचायत कार्यालयात पहावयास उपलब्ध आहे. प्राप्त सिलबंद निविदा शक्यतोवर दि. १३/०१/२०२५ ला दु. ४.०० वा. उपस्थीत समक्ष उघडण्यात येतील.

निविदेच्या अटी व शर्ती तसेच वरील कामांबाबतची विस्तृत माहीती तसेच पुढील सर्व कार्यवाही नगरपंचायत निलडोह कार्यालयात उपलब्ध राहतील.

स्थळ- निलडोह
दिनांक

स्वा./-
मुख्याधिकारी
नगरपंचायत निलडोह

सुविचार

जवन में छोटी-छोटी चीज़ों में ख़ुशी ढूंढनी चाहिए

संपादकीय

थोड़ी ख़ुशी, थोड़ा ग़म, सभी स्कूलों में हों सुविधाएं

स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग की ओर से संचालित डेटा एग्रीगेशन प्लैटफॉर्म यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन प्लस की ताजा रिपोर्ट देश के स्कूली इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के साथ ही उन अहम दिक्कतों की भी झलक देती है, जिन्हें दूर किया जाना बाकी है।

रिपोर्ट में यह बात स्थापित होती है कि बुनियादी सुविधाओं की स्थिति बेहतर हुई है। करीब 90% स्कूलों में बिजली और जेंडर स्पेसिफिक टॉयलेट जैसी सुविधाएं हैं। लेकिन अगर डिजिटल सुविधाओं की बात की जाए तो स्कूलों के बीच गहरी खाई दिखती है। मसलन, फंक्शनल कंप्यूटर महज 57.2% स्कूलों में उपलब्ध है और 53.9% स्कूलों के पास इंटरनेट ऐक्सेस है। हालांकि, इस मामले में पिछले वर्षों में हुई प्रगति का अंदाजा इस तथ्य से होता है कि 2021-22 की प्लस रिपोर्ट के मुताबिक 66% स्कूलों में इंटरनेट कनेक्शन नहीं थे।

यह तथ्य भी गौर करने लायक है कि देश में पिछले साल के मुकाबले स्कूलों की संख्या तो बढ़ी है, लेकिन एनरोलमेंट में गिरावट देखी गई है। जहां स्कूलों की संख्या 14.66 लाख से बढ़कर 14.71 लाख हो गई वहीं इनमें होने वाला स्टूडेंट्स एनरोलमेंट 25.17 करोड़ से घटकर 24.80 करोड़ हो गया। यह गिरावट कमोबेश सभी कैटिगरीज - लड़के लड़कियां, ओबीसी, अल्पसंख्यक आदि- में है।

जहां तक ड्रॉपआउट यानी स्टूडेंट्स के स्कूल छोड़ने के मामलों की बात है तो इसमें सेकंडरी स्टेज में होने वाली बढ़ोतरी ध्यान देने लायक है। मिडल स्कूलों में जो ड्रॉपआउट दर 5.2% है, वह सेकंडरी स्टेज में आकर 10.9% तक पहुंच जाती है। जानकारों के मुताबिक, इसके पीछे ओबीसी और एससी/एसटी कैटिगरी के स्टूडेंट्स को दाखिले के डॉक्युमेंटेशन प्रॉसेस के दौरान होने वाली मुश्किलों और प्री-मैट्रिक व पोस्ट-मैट्रिक स्कॉलरशिप जैसी सुविधाओं की कमी का हाथ हो सकता है।

एक और अहम पहलू है टीचर्स और स्टूडेंट्स के अनुपात यानी पीटीआर का। इस मामले में विभिन्न राज्यों के बीच अंतर विशेष रूप से ध्यान खींचता है। एक तरफ झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य हैं, जहां सेकंडरी लेवल पर पीटीआर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तय मानक यानी 30:1 से भी ज्यादा है तो दूसरी ओर असम, ओडिशा और कर्नाटक जैसे राज्य काफी पीछे नजर आते हैं।

महिला सशक्तिकरण की महान प्रणेता सावित्रीमाई

'काव्य फुले'

बच्चों को स्कूल आने के लिए प्रेरित करने के लिए वे कहा करती थीं "सुनहरे दिन का उदय हुआ आओ प्यारे बच्चों आज हर्ष उल्लास से तुम्हारा स्वागत करती हूं आज" अपने पति ज्योतिबा की मौत के बाद भी उन्होंने समाज की सेवा करना नहीं छोड़ा। इस दौरान साल 1897 में पुणे में "प्लेग" जैसी जानलेवा बीमारी काफी खतरनाक तरीके से फैली, तो इस महान समाजसेवी ने इस बीमारी से पीड़ित लोगों की निच्छल तरीके से सेवा करनी शुरू कर दी,और रात- दिन वह मरीजो की सेवा में लगी रहती थी, और इसी दौरान वो खुद भी इस जानलेवा बीमारी की चपेट में आ गई और 10 मार्च 1897 में उनकी मृत्यु हो गई। तमाम तरह की परेशानियों, संघर्षों और समाज के प्रबल विरोध के बावजूद भी सावित्रीबाई ने महिलाओं को शिक्षा दिलवाने और उनकी स्थिति में सुधारने में जिस तरह से एक लेखक, क्रांतिकारी, समाजिक कार्यकर्ता बनकर समाज के हित मे काम किया वह वाकई सरहानीय है। वहीं महिला शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हें कई पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। इसके अलावा केंद्र और महाराष्ट्र सरकार ने सावित्रीबाई फुले की स्मृति में कई पुरस्कारों की स्थापना की है और उनके सम्मान में एक डाक टिकट भी जारी किया गया है। महिला अधिकार के लिए संघर्ष करने वाली सावित्रीबाई ने विधवाओं के लिए एक केंद्र की स्थापना की और उनको पुनर्विवाह के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अछूतों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। वर्ष 1897 में प्लेग फैलने के दौरान उन्होंने पुणे में अपने पुत्र के साथ मिलकर एक अस्पताल खोला और अस्पृश्य माने जाने वाले लोगों का इलाज किया। हालांकि इस दौरान वह स्वयं प्लेग से पीड़ित हो गईं और उसी वर्ष मार्च में उनका निधन हो गया।

भारत की महिला सशक्तिकरण की महान प्रणेता समाज सुधारक क्रांतीज्योती सावित्रीमाई फुले का जन्म महाराष्ट्र में 3 जनवरी 1831 को एक किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम खण्डोजी नेवसे और माता का नाम लक्ष्मीबाई था। सावित्रीबाई फुले का विवाह सन् 1840 में मात्र 9 वर्ष की उम्र में 12 वर्षीय ज्योतिराव फुले के साथ हुआ। ज्योतिबा बहुत बुद्धिमान थे, उन्होंने मराठी में अध्ययन किया। वे महान क्रांतिकारी, भारतीय विचारक, समाजसेवी, लेखक एवं दार्शनिक थे। सावित्रीबाई फुले और उनके पति ज्योतिराव फुले ने वर्ष 1848 मात्र 9 विद्यार्थियों को लेकर एक स्कूल की शुरुआत की थी। उनकी कोई संतान नहीं हुई और उन्होंने एक ब्राह्मण विधवा के पुत्र यशवंतराव को गोद ले लिया। इसका फुले परिवार में तीखा विरोध हुआ तो दंपति ने अपने परिवार से संबंध समाप्त कर लिया।

कवयित्री के रूप में सावित्रीबाई फुले ने 2 काव्य पुस्तकें लिखीं- काव्य फुले, बावनकशी सुबोधरत्नाकर। फुले दंपति को महिला शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए 1852 में तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने सम्मानित भी किया। केंद्र और महाराष्ट्र सरकार ने सावित्रीबाई फुले की स्मृति में कई पुरस्कारों की स्थापना की है।

महिला अधिकार के लिए संघर्ष करने वाली सावित्रीबाई ने विधवाओं के लिए एक केंद्र की स्थापना की और उनको पुनर्विवाह के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने अछूतों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। वर्ष 1897 में प्लेग फैलने के दौरान उन्होंने पुणे में अपने पुत्र के साथ मिलकर एक अस्पताल खोला और अस्पृश्य माने जाने वाले लोगों का इलाज किया। हालांकि इस दौरान वह स्वयं प्लेग से पीड़ित हो गईं और उसी वर्ष मार्च में उनका निधन हो गया।

कवयित्री के रूप में सावित्रीबाई फुले ने 2 काव्य पुस्तकें लिखीं- काव्य फुले, बावनकशी सुबोधरत्नाकर। फुले दंपति को महिला शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए 1852 में तत्कालीन ब्रिटिश सरकार ने सम्मानित भी किया। केंद्र और महाराष्ट्र सरकार ने सावित्रीबाई फुले की स्मृति में कई पुरस्कारों की स्थापना की है।

इसके अलावा उनके सम्मान में एक डाक टिकट भी जारी किया गया है। वे आधुनिक शिक्षा प्रणाली में पहली महिला अध्यापिका थीं और उन्हें आधुनिक मराठी कविता में अगुवा माना जाता है। सावित्रीबाई फुले, भारत की प्रथम महिला शिक्षिका ही नहीं बल्कि वे एक अच्छी कवियित्री, अध्यापिका, समाजसेविका और पहली शिक्षाविद् भी थी। इसके अलावा उन्हें महिलाओं की मुक्तिदाता भी कहा जाता है। इन्होंने अपना पूरा जीवन में महिलाओं को शिक्षित करने में और उनका हक दिलवाने में लगा दिया।

आपको बता दें कि महिलाओं को शिक्षा दिलवाने के लिए उन्हें काफी संघर्षों का भी सामना करना पड़ा, लेकिन वे हार नहीं मानी और बिना धैर्य खोए और पूरे आत्मविश्वास के साथ डटीं रहीं और सफलता हासिल की। इसके साथ ही आपको यह भी बता दें कि उन्होंने साल 1848 में पुणे में देश के पहले महिला स्कूल की भी स्थापना की। वहीं उन्हें अपने पति ज्योतिराव फुले के सहयोग से ही आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली क्योंकि ज्योतिबा अक्सर उन्हें आगे बढ़ने के लिए उनका एक अच्छे गुरु और संरक्षक की तरह हौसला अफजाई करते रहे। जब सावित्रीबाई की शादी हुई थी, उस समय तक वे पढ़ी-लिखी नहीं थी। शादी के बाद ज्योतिबा ने ही उन्हें पढ़ना-लिखना सिखाया। वहीं उन दिनों लड़कियों को दशा बेहद दयनीय थी यहां तक कि उन्हें शिक्षा ग्रहण करने की अनुमति नहीं थी।

वहीं सावित्रीबाई को शिक्षित करने के दौरान ज्योतिबा को काफी विरोध का सामना करना पड़ा, यहां तक की उन्हें उनके पिता ने रुढ़िवादिता और समाज के डर से घर से बाहर निकाल दिया लेकिन फिर भी ज्योतिबा ने सावित्रीबाई को पढ़ाना नहीं छोड़ा और उनका एडमिशन एक प्रशिक्षण स्कूल में कराया। समाज की तरफ से इसका काफी विरोध होने के बाद भी सावित्रीबाई ने अपनी पढ़ाई पूरी की।

अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद सावित्री बाई ने प्राप्त शिक्षा का इस्तेमाल अन्य महिलाओं को शिक्षित करने के लिए सोचा लेकिन यह किसी चुनौती से कम नहीं था क्योंकि उस समय समाज में लड़कियों की पढ़ाई-लिखाई करवाने की अनुमति नहीं थी।

जिसके लिए उन्होंने तमाम संघर्ष किए और इस रीति को तोड़ने के लिए सावित्रीबाई ने अपने पति ज्योतिबा के साथ मिलकर साल 1848 में लड़कियों के लिए एक स्कूल की स्थापना भी की और यह भारत में लड़कियों के लिए खुलने वाला पहला महिला विद्यालय था। जिसमें कुल नौ लड़कियों ने एडमिशन लिया और सावित्रीबाई फुले इस स्कूल की प्रिंसिपल भी बनी। और इस तरह वे देश की पहली शिक्षिका बन गई। सावित्रीबाई फुले कहा करती थीं.

काफी संघर्षों के बाद भी छेड़ी महिला-शिक्षा की मुहिम वहीं थोड़े दिनों के बाद ही उनके स्कूल में दबी-पिछड़ी जातियों के बच्चे, खासकर लड़कियों की संख्या बढ़ती गई। वहीं इस दौरान उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा, बताया जाता है कि जब वो पढ़ाने जाती थी, तो उनका रोजाना घर से विद्यालय जाने तक का सफर बेहद कष्टदायक होता था। दरअसल जब वो घर से निकलती थी तो धर्म के कथित ठेकेदारों द्वारा उनके ऊपर सड़े टमाटर, अंडे, कचरा, गोबर और पत्थर तक फेंकते थे यही नहीं उन्हें अभद्र गालियां देते थे यहां तक की उन्हें जान से मारने की धमकियां भी देते थे। लेकिन सावित्रीबाई यह सब चुपचाप सहती रहीं और महिलाओं को शिक्षा दिलवाने और उनके हक दिलवाने के लिए पूरी हिम्मत और आत्मविश्वास के साथ डटीं रहीं। आपको बता दें कि काफी संघर्षों के बाद 1 जनवरी 1848 से लेकर 15 मार्च 1852 के बीच सावित्रीबाई फुले ने अपने पति ज्योतिबा फुले के साथ बिना किसी आर्थिक मदत से ज्यादा से ज्यादा लड़कियों को शिक्षित करने के मकसद से 18 स्कूल खोले। वहीं इन शिक्षा केन्द्र में से एक 1849 में पूना में ही उस्मान शेख के घर पर मुस्लिम स्त्रियों और बच्चों के लिए खोला था।

इस तरह वे लगातार महिलाओं को उच्च शिक्षा दिलवाने के लिए काम करती रहीं। वहीं शिक्षा के क्षेत्र में सावित्रीबाई फुले और ज्योतिबा फुले के महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए ब्रिटिश सरकार के शिक्षा विभाग ने उन्हें 16 नवम्बर 1852 को उन्हें शॉल भेंटकर सम्मानित भी किया।

-एड. डॉ. घापेश पुंडलिक ढवळे

वास्तुशास्त्र

क्या मनी प्लांट को चुराकर ही लगाना चाहिए?

आपने यह बात कई लोगों से सुनी होगी कि मनी प्लांट चुराकर लगाना शुभ होता है और इससे धन लाभ होता है। इसी बात को मानते हुए ज्यादातर लोग उन घरों से मनी प्लांट चुराना पसंद करते हैं, जहां धन-धान्य की कमी नहीं होती। इन सुनी-सुनाई बातों से अलग कभी-कभी मन में सवाल आता है कि क्या वाकई मनी प्लांट चुराकर लगाने से धन प्राप्ति का योग बनता है? आइए, जानते हैं वास्तु शास्त्र के अनुसार इस सवाल का जवाब।

वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ पौधे ऐसे होते हैं, जिन्हें घर में लगाने से सुख और समृद्धि का वास होता है। इन पौधों की ऊर्जा घर में सकारात्मक ऊर्जा को संचालित और आर्कषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। घर में पॉजिटिव वाइब्स लाने वाले इन पौधों में मनी प्लांट का नाम भी शामिल है। मनी प्लांट एक ऊर्जा से भरा होता है। मनी प्लांट को घर में लगाने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। साथ ही सुख-समृद्धि को बढ़ाने में भी इस पौधे को महत्वपूर्ण समझा जाता है। मनी प्लांट को घर में लगाना कई तरह से शुभ माना जाता है लेकिन जब बात आती है, मनी प्लांट को घर में चुराकर लगाने की, तो आपको इससे बचना चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को चुराकर लगाने से हम इसकी ऊर्जा को नकारात्मक ऊर्जा में बदल देते हैं, क्योंकि किसी भी तरह की चोरी को सही नहीं कहा जा सकता। बुरे काम की ऊर्जा हमेशा नकारात्मक ही होती है इसलिए वास्तु शास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को चोरी करके नहीं लगाना चाहिए।

वास्तु शास्त्र के अनुसार अगर घर में लगे मनी प्लांट की बेल जमीन को छूने लगे, तो उसे तुरंत ऊपर कर दें। मनी प्लांट का संबंध माता लक्ष्मी से माना जाता है इसलिए जमीन छूने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। जमीन को छूता मनी प्लांट शुभ नहीं माना जाता है इसलिए अगर आपके घर में मनी प्लांट बहुत ज्यादा बड़ा होकर जमीन पर लटकने लगा है, तो उसे किसी रस्सी की मदद से दीवार पर ऊपर की ओर सपोर्ट दे दें। इससे मनी प्लांट की बेल ऊपर दीवार पर चढ़ जाएगी।

ज्ञान की रोशनी से मिटेगा आतंक का अंधकार

अमरीका में इस बार नए साल के आगमन के उत्साह को आतंक की काली छाया ने धूमिल कर दिया। ऐसे समय जब दुनिया बीते दिनों की कठिनाइयों को पीछे छोड़कर जीवन को नए तरीके से शुरू करने का संकल्प लेती है, अमरीका के लुसियाना प्रांत के न्यू ऑरलियन्स शहर में नरसंहार पर आमादा एक आतंकी ने जश्न मना रहे लोगों तो ट्रक से रौंद दिया। आतंकी संगठन आइएसआइएस से प्रभावित सिरफिरा ज्यादा से ज्यादा लोगों को मारना चाहता था। जब तक पुलिस हरकत में आती, उसने 15 लोगों की जान ले ली और 35 से ज्यादा अस्पताल में मौत से संघर्ष कर रहे हैं। यह घटना भले ही अमरीका में हुई हो लेकिन, इसने दुनिया को संकेत दिया है कि आतंक को समाप्त करने और मानवता की सुरक्षा के लिए नए साल में हमें ज्यादा प्रतिबद्धता और एकजुटता के साथ सामने आना होगा। इस वारदात ने हमें एक नागरिक, एक समाज और एक सरकार के रूप में अपनी-अपनी जिम्मेदारियों पर पुनर्विचार करने का अवसर दिया है।

हाल के वर्षों में दुनिया के ज्यादातर देशों में धार्मिक कट्टरता बढ़ी है। कट्टरता चाहे धार्मिक हो या किसी अन्य बात की, अपने विरोधियों के साथ उसका उभयनिष्ठ संबंध होता है। यानी एक तरह की कट्टरता दूसरे तरह की कट्टरता को आगे बढ़ाती है । परिणामस्वरूप विभिन्न देशों में रूढ़िवाद के कट्टर समर्थक सत्ता पर आसीन होते गए हैं। अमरीकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की जीत को भी इसी रूप में देखा जा रहा है। किसी भी देश में चुनाव राजनेताओं के लिए अपनी जनता को शिक्षित करने का अवसर होता है। लेकिन, हम यह कहने की स्थिति में नहीं हैं कि डॉनल्ड ट्रंप अपने देश की जनता को पहले के मुकाबले ज्यादा समझदार बनाकर चुनाव जीते हैं। यदि ऐसा हुआ होता तो 42 साल का पूर्व सैनिक शमसुद्दीन जब्बर, जिसने अपनी जान की परवाह न करते हुए अफगानिस्तान में अमरीका की ओर से इस्लामिक कट्टरपंथियों का मुकाबला किया था, खुद इस्लामिक रूढ़िवादियों से प्रेरित होकर आतंकी नहीं बनता और ट्रक लेकर हिंसक पागलपन पर उतारू नहीं हो जाता। न सिर्फ अमरीका बल्कि पूरी दुनिया में रूढ़िवादियों और उदारवादियों के बीच जीवंत संघर्ष चल रहा है। दुनिया का भविष्य मानवता को हर तरह की जंजीरों से मुक्त करने में ही है, उसे बांधने में नहीं। दरअसल, समस्याओं का समाधान दूर नजर आता है तो अज्ञान का अंधकार हमें पीछे लौटने के लिए प्रेरित करता है। लेकिन हम उम्मीद कर सकते हैं कि आतंक के रास्ते से जीवन की समस्याओं का समाधान खोजने वालों को ज्ञान की रोशनी मिलेगी और वे अहिंसा के रास्ते पर आगे बढ़ेंगे।

-मुकेश भूषण

कहानी

-नरेंद्र अनिकेत

मंदी महा ठगिनी हम जानी

खबरें हथियार बनती हैं क्योंकि वे बनाई जाती हैं। खबरें सबक नहीं होतीं क्योंकि वे सिर्फ सूचनाएं भर होती हैं। खबरें इतिहास नहीं बनतीं। बन भी नहीं सकतीं, क्योंकि वे बदल जाती हैं। खबरें परेशान करती हैं क्योंकि उनके पीछे कुछ सच छिपाए जाते हैं। शारदा बाबू भी परेशान रहते हैं। अखबार पढ़े बगैर उन्हें चैन नहीं आता और पढने के बाद उनका दिमाग चैन से नहीं रहता। पिछले एक दशक से अखबार उन्हें भ्रम में डाले हुए हैं। वे छपी हुई खबरों में वे सच तलाशते हैं जिन्हें कभी दिया नहीं जाता है। वे तब और परेशान होते हैं जब एक खबर में ही कई बातें एक दूसरे को काटती हैं। उन्हें तब कोफ्त होती है जब खबर कुछ कहती है और बाद में सच कुछ और निकल आता है।

उम्र के जिस पड़ाव पर शारदा बाबू पहुंच चुके हैं वहां आ कर आदमी धार्मिक किताबें पढने लगता है, लेकिन उनका इस बात में भरोसा ही नहीं। उनके अखबार पढने की आदत को लेकर कई बार धर्मपत्नी से बतकही हो चुकी है।

धर्मपत्नी कह-कह के थक चुकी कि अब थोड़ा धरम-करम भी कर लो परलोक सुधर जाएगा, लेकिन शारदा बाबू पर कोई असर नहीं। उनकी दिनचर्या से घरवाले बेहद परेशान रहते हैं। सवेरे उठ कर वे जबतक अखबार नहीं पढ़ लेते उनकी दिनचर्या शुरू नहीं होती। और दिनचर्या भी क्या? अखबार पढने के बाद जब तक उसमें लिखे संपादकीय पर अपने किसी दोस्त से चर्चा करते तबतक उन्हें शौच भी नहीं आता।

खबरें परेशान करती हैं और शारदा बाबू उर्फ काकाजी आजकल बेहद परेशान हैं। अखबार बांचने के बावजूद काकाजी कन्फ्यूज हो गए हैं। दरअसल उनकी समस्या एक आम भारतीय के जैसी ही है। उन्हें यह समझ में नहीं आता कि अमेरिका, यूरोप में बैंक डूब गए तो उसका उनके देश से क्या लेनादेना? यहां का शेयर बाजार ढह गया तो उससे उनकी सेहत पर क्या असर पड़ेगा? इन सवालों का जवाब उन्हें अखबार में कहीं नहीं दिखता। पहला पन्ना कुछ और कह रहा होता है तो संपादकीय कुछ और। हद तो यह कि अंदर के खबरिया पृष्ठों से कुछ और ही संकेत उन्हें मिलते हैं।

अखबार पढने की तमीज उन्होंने अपने पिता से सीखी। उनके पिता ने उन्हें बताया था कि एक अच्छा पाठक सबसे पहले संपादकीय पृष्ठ पढ़ता है, क्योंकि यह अखबार की अपनी आवाज और उसके विचारों का प्रतिनिधित्व करने वाला पन्ना होता है।

व्यंग्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

मेल कराती मधुशाला

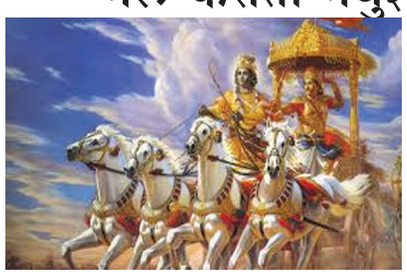

हे करुणामयी, जीवनदायिनी, कृपालु और दयालु भारत की सरकार! आपका जितना गुणगान किया जाए कम है। आप तो अंतर्यामी हैं। आपने हमारे सूखे कंठों की पीड़ा सुनकर जो कृपा की है, उसे कभी नहीं भूलेंगे। मधुशाला खुलवाकर हम पर जो उपकार किया है, उसका ऋण हम जीते जी नहीं चुका पायेंगे। चाहे कोरोना से ही क्यों न मर जाएँ, लेकिन आपका ऋण अवश्य चुकायेंगे। भारत के नागरिक होने के नाते क्या हम आपके लिए इतना भी नहीं कर सकते? लानत है ऐसे जीवन पर जो सरकार के इस प्राणदायी निर्णय का समर्थन न कर सके! जय हो भारत सरकार! जय हो! तालाबंदी के समय आपका यह उपकार सदा के लिए आपके यश का कीर्तिस्तंभ बनेगा। मधुप्रेमियों की चिंता में भारत सरकार कमजोर हो गयी है। अब वह दिन दूर नहीं जब पुस्तकों में लिखा जाएगा कि इंसान को जीने के लिए रोटी, कपड़ा और मकान नहीं बल्कि शराब की जरूरत पड़ती है। सड़कों पर मधुप्रेमियों की लंबी-लंबी कतारें अंगार बरसाती गर्मी की परवाह किए बिना अपने अदम्य साहस का परिचय दे रही है। हमारा यह अदम्य साहस सदैव याद रखा जाएगा। रामायण और महाभारत के युद्ध मधुशाला के पास जुटी भीड़ की मधु भिड़ंत के सामने ओछे नजर आते हैं। सोशल डिस्टेंसिंग के नाम पर इतने दिन जान हथेली पर लिए घर में दुबके बैठे मधुप्रेमियों का मधुशाला की चौखट पर जान लुटाने का यह साहस, इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा। हे भारत के मधुप्रेमियो! आपको देश मधु सलाम करता है।

कोरोना मंथन के विकराल समय में सरकार मोहिनी बनकर आयी है। सुरा समान मधु की बूँदें छलकाकर गरीबी, महँगाई, धर्म, जाति, वर्ग, भाषा के सारे कलह जड़ से मिटाने का प्रयास कर रही है। भारत सरकार महान है! उसका यह सर्वोत्कृष्ट उपकार असंख्य मधुप्रेमियों की जान बचाने का रामबाण इलाज है। सरकार अपने मधुप्रेमियों का पूरा ध्यान रखती है। गणितज्ञ, वैज्ञानिक, चिकित्सक किसी भी दृष्टि से देखा जाए, उसका मधुशाला श्रीगणेश निर्णय सही सिद्ध होता है। यह सच भी है। जहाँ कोरोना से बड़ी मुश्किल से डेढ़ हजार लोग मरे वहाँ अमृत बरसाती सुरा बूँदों की कमी से असंख्य मधुप्रेमी मर जाते, तब इस बदनामी का बोझ कौन उठाता?

एक समय था जब हमारे शासक मधु सेवन को महापाप मानते थे। अब इसके सेवन से बचने वाले को महापापी मानते हैं। मधुसेवन तो सोशल स्टेटस माना जाता है। आज हमारा देश इन्हीं मधुप्रेमियों के कारण जीवित है। वरना कब का मर जाता। सरकारी योजनाओं को पूरा करने के लिए पैसों की जरूरत पड़ती है। देश में टैक्स चोर इतने बढ़ गए हैं कि हमारी योजनाएँ पूरी होनी से रही! वह तो खैर मनाओ कि हमारे मधुप्रेमी कभी पत्नी का मंगल सूत्र, तो कभी बच्चों के सपनों को पूरा करने के लिए जुटाए गई संपत्ति, तो कभी लड़की के विवाह के लिए पाई-पाई जोड़ी गई गाढ़ी कमाई की परवाह किए बिना मधुसेवन के लिए सब कुछ स्वाहा कर देते हैं। देश की चमचमाती सड़कें, बड़े-बड़े भवन, पुल, अस्पताल, कर्मचारियों का वेतन सभी इन्हीं के त्यागों का गुणगान गाते हैं। यदि आज हमारे दिवंगत स्वतंत्रता सेनानी जीवित होते उनके इस त्याग को देखकर उनका मस्तक गर्व से ऊँचा हो जाता। धन्य हो मेरे देश के मधुप्रेमियो!

लघु कहानी

- देवेन्द्र सोनी

जरा हटके

रमेश सीधा - सादा अंतर्मुखी युवक था. स्नातक के अंतिम वर्ष तक आते आते भी महाविद्यालय में उसके कोई स्थाई मित्र नहीं बने थे. रमेश के इस व्यवहार से अनेक आवारा छात्र अक्सर उसे परेशान किया करते थे. खुद को असुरक्षित पाकर भी वह सबकी अनदेखी ही करता जिससे वे और कुपित होकर उसे परेशान करते। ऐसे में सुधीर उसे अक्सर बचाता रहता था जिससे धीरे - धीरे दोनों में मित्रता हो गई । वैसे सुधीर भी बिगड़ैल युवक ही था पर रमेश के लिए यह बात मायने नहीं रखती थी.रमेश पढ़ाई में कुशाग्र था किंतु सुधीर कमजोर था । परीक्षा के समय रमेश ने उसकी मदद कर दी जिससे वे और नजदीक आ गए.

एक दिन महाविद्यालय में " वहशी दरिंदों " पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था. रमेश इस पर खूब बोला और प्रथम स्थान पर आया सभी ने उसकी तारीफ की इसी बात का जश्न मनाने सुधीर ने रमेश से कहा - चलो आज पार्टी करते हैं और दोनों वहां से सुधीर की बाइक पर निकल गए एक रेस्तरां में पहुंचकर सुधीर ने मनमानी करते हुए रमेश को भी शराब पिला ही दी. अब दोनों बहक रहे थे. रेस्तरां से निकल कर सुधीर और रमेश पहाड़ी इलाके में जा पहुंचे उन्हें पता ही नहीं था कि वे जा कहाँ रहे हैं ? पास ही एक झरने को देखकर वे रुक गए. दोनों उन्मान्दित थे और उनका युवा मन हिलोरे मार रहा था. तभी उनकी नजर झरने पर नहाती हुई एक युवती पर पड़ी. वह अपनी धुन में गुनगुनाती हुई नहा रही थी. रमेश ने सुधीर से वापस चलने को कहा पर सुधीर तो कुछ और ही सोच बैठा था।

वह दबे कदमों से आगे बढ़ा और उसने उस युवती को लगभग खींचते हुए धर दबोचा। इस समय उस पर वासना की वहशियत और दरिंदगी सवार थी।

ट्रेंडिंग

माणिक्य रत्न चमका सकता है भाग्य

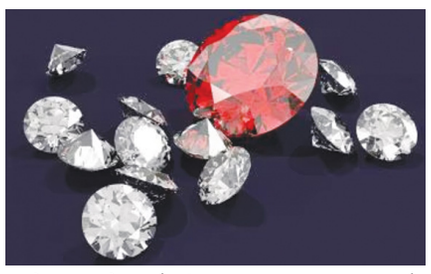

ग्रहों का जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका होती है। व्यक्ति की कुंडली में मौजूद ग्रह व्यक्ति को सफलता और तरक्की दिलाने में काफी मदद करते हैं। हालांकि, व्यक्ति को साथ में मेहनत करने की जरूरत भी होता है। लेकिन, कई बार आपने देखा होगा की लगातार मेहनत करने के बाद भी मन मुताबिक फल की प्राप्ति नहीं होती है। ऐसा कुंडली में किसी ग्रह के कमजोर स्थिति में होने के कारण होता है। मेहनत का पूरा फल नहीं मिल पाता है। इसी के साथ नवग्रहों में सूर्य देव को ग्रहों का राजा माना गया है। जब भी किसी व्यक्ति पर सूर्य की महादशा चलती है तो वह छह वर्षों की होती है। कुंडली में यदि सूर्य ग्रह मजबूत स्थिति में है तो व्यक्ति को करियर और समाज में खूब मान सम्मान और तरक्की मिलती है। यदि सूर्य कमजोर स्थिति में है तो व्यक्ति को माणिक्य रत्न धारण करना चाहिए। क्योंकि यह रत्म आपका भाग्य सूर्य की तरह चमका सकता है। आइए जानते हैं सूर्य के रत्न माणिक्य के बारे में की कब कैसे इसे धारण करना चाहिए।

सूर्य का रत्न माणिक्य है। संस्कृत में इसे पद्मराग, रवि रत्न, कुरुविन्द, सौगन्धिक, वसु रत्न कहा जाता है। माणिक्य लाल रंग का होता है। जबकि श्रीलंका में पाया जाने वाला माणिक्य हल्का पीलापन लिए हुए होता है। अच्छे माणिक्य की पहचान यह है कि सूर्य के प्रकाश में रखने से उसमें से लाल रंग की किरणें चारों ओर बिखरने लगती हैं।

सूर्यदेव को रविवार का दिन समर्पित माना जाता है। ऐसे में रविवार के दिन ही इस रत्न को धारण करना सबसे उत्तम रहेगा। इसी के साथ रविवार के दिन यदि पुष्य, कृतिका, उत्तराषाढ़ा, उत्तराभाद्रपद, में से किसी एक नक्षत्र में कम से कम पांच कैरेट का माणिक्य सोने या तांबे की अंगूठी में कनिष्ठिका अंगुली में सूर्योदय से लेकर सुबह 9:00 बजे तक विधिविधान से आप धारण कर सकते हैं। जब आप यह रत्न धारण करें तो सूर्य के मंत्रों का जप जरुर करते रहें। इस मंत्र का जप कम से कम 'ओम घृणिः सूर्याय नमः' का कम से कम 108 बार जप करना चाहिए

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सांस (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी शृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, शनिवार, 4 जनवरी 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

फिर एक बाघ की मौत से वन अधिकारी की परेशानी बढ़ी

चंद्रपुर. चंद्रपुर जिले के सिंदेवाही वन परिक्षेत्र के उप क्षेत्र सिंदेवाही में 2 जनवरी 2025 को सुबह वन विभाग अधिकारी गस्त कर रहे थे। इसी दौरान लाडबोरी के रमेश पांडुरंग गंडाईत सिंदेवाही निवासी के खेत से सटे नाले के पास बाघ का शव मृत अवस्था मे मिला है। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र सहायक एन टी गढ़पायले, वन रक्षक फूलझेले ने घटना स्थल को भेंट देकर वरिष्ठ अधिकारी को जानकारी दी। इसके बाद उप वनसंरक्षक राकेश सेपट, सहायक चोपड़े, पशु चिकित्सक रविकांत खोबरागड़े के अन्य की उपस्थिति में शव को जांच के बाद बाघ के शव का दहन किया गया है। बाघ वृद्ध अवस्था का होकर बाघ के सभी अंग सुरक्षित पाए गए है। पोस्ट मॉर्टम रिपोर्ट से बाघ की मौत का सही कारण पता चलेगा।

सड़क हादसे में युवक की मौत

> बल्लारपुर से चंद्रपुर महामार्ग दुपहीया की दुर्घटना

चंद्रपुर. इस दुर्घटना में बंडू डांगे 45 रा. अशोकनगर वार्ड क्रमांक 3 विसापुर और मिलींद गाडगे गंभीर रूप से जख्मी हुए थे। मिलींद और बंडू दुपहीया क्रमांक एमएच 34 एई 7584 से घर वापस जाने दरम्यान एसएनडीटी महिला महाविद्यालय के पास डीवायडर से टकरा गए थे। दोनो गंभीर घायल होने के बाद बंडू को चंद्रपुर और मिलींद को नागपुर उपचार के लिए भेजा गया था। जिस में से चंद्रपुर के निजि अस्पताल में बंडू डांगे का उपचार चल रहा था। बुधवार 1 जन वरी 2025 को उपचार दरम्यान बंडू की मौत हुई है।

चंद्रपुर की कोयला खदानों में बाघों की दहशत, कोयला कामगारों में डर का माहौल

> हिन्दुस्थान लालपेठ खुली खदान, नांदगांव और माना भूमिगत खदानों में बाघ का ख़ौफ़.

> पैनगंगा खदानों के पास बाघ देखे गए

> वन विभाग की तुरंत कार्रवाई

चंद्रपुर. वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अंतर्गत खनन क्षेत्रों के पास अलग-अलग स्थानों पर दो बाघों के देखे जाने से निवासियों और कोयला कामगारों में डर का माहौल फैल गया है. चंद्रपुर जिले में मानव वन्यजीव संघर्ष चरमसीमा पर है. इसी वजह से वन विभाग ने तुरंत कार्रवाई कर इस क्षेत्र में रहनेवाले लोगों से सचेत रहने की सलाह दी। चंद्रपुर शहर के पास हिंदुस्तान लालपेठ खदान और वनसडी वन रेंज के अंतर्गत पैनगंगा खदान में लगातार रातों को बाघ देखे गए, जिससे मानव सुरक्षा को लेकर कोल इंडिया की उच्च अधिकारियों ने चिंता जताई।

चंद्रपुर में हिंदुस्तान लालपेठ ओपनकास्ट खदान के ओवरबर्डन डंप के पास गुरुवार रात एक बाघ देखा गया। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने बाघ की मौजूदगी की सूचना दी, जो खदान परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हुई। एक दिन पहले, 1 जनवरी को, वनी में पैनगंगा खदान के पास ओवरबर्डन डंप के पास एक और बाघ को वाहन चालकों ने देखा था। कुछ लोग इलाके में घूमते हुए बाघ की तस्वीरें लेने में कामयाब रहे।

स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर चिंता है और कई लोगों ने वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया है। अधिकारियों ने वन विभाग से खदानों में और उसके आसपास काम करने वाले लोगों के लिए जोखिम को कम करने के लिए निवारक उपाय लागू करने का भी अनुरोध किया है। चंद्रपुर के प्रभागीय वन अधिकारी प्रशांत खाड़े ने बाघों के देखे जाने की बात स्वीकार की और पुष्टि की कि हिंदुस्तान लालपेठ खदान के पास ऐसी हरकतें अभूतपूर्व नहीं हैं। उन्होंने कहा, "ओवरबर्डन डंप पर घनी वनस्पतियों ने पहले भी बाघों को आकर्षित किया है। हालांकि, ये हरकतें आम तौर पर मौसमी होती हैं और जानवर कुछ हफ़्तों के भीतर जंगल में वापस लौट आते हैं।" बाघ की निगरानी और उसकी हरकतों को ट्रैक करने के लिए कैमरा ट्रैप लगाए गए हैं।

चंद्रपुर में 2024 में वायु गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद, लेकिन चिंताएं भी बरकरार

चंद्रपुर, सुनील तायडे

चंद्रपुर ने 2024 के दौरान वायु गुणवत्ता में मामूली सुधार दिखाया है, जिसमें वायु गुणवत्ता सूचकांक के तहत 366 दिनों में से 73 दिन 'अच्छे' के रूप में वर्गीकृत किए गए हैं, जबकि 2023 में यह केवल 32 दिन होगा।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड वायु निगरानी केंद्र के आंकड़ों के अनुसार, 140 दिन 'संतोषजनक', 137 दिन 'मध्यम' और 16 दिन 'खराब' दर्ज किए गए। शहर में किसी भी दिन को 'बहुत खराब' या 'गंभीर' श्रेणी में नहीं दर्ज किया गया, जो पिछले साल की तुलना में प्रदूषण के स्तर में मामूली गिरावट दर्शाता है।

ग्रीन प्लैनेट सोसाइटी के अध्यक्ष पर्यावरण शोधकर्ता प्रो. सुरेश चोपने ने इस सुधार का श्रेय व्यवस्थित नीतिगत उपायों के बजाय बेमौसम बारिश और मौसम में बदलाव को दिया। उन्होंने कहा, "'बहुत खराब' या 'गंभीर' वायु गुणवत्ता वाले दिनों की अनुपस्थिति राहत की बात है, लेकिन पार्टिकुलेट मैटर और ग्राउंड-लेवल ओजोन प्रदूषण में वृद्धि गंभीर स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ पैदा करती है।

अक्टूबर से जनवरी तक के सर्दियों के महीने सबसे ज़्यादा प्रदूषित रहे, 123 दिनों में से 113 दिनों में वायु गुणवत्ता ख़राब दर्ज की गई। जनवरी और नवंबर विशेष रूप से चिंताजनक रहे, सभी दिन प्रदूषित रहे। फ़रवरी से मई तक के गर्मियों के महीने भी खराब रहे, 121 दिनों में से 114 दिनों में AQI का स्तर 'अच्छा' से ऊपर रहा। मानसून (जून से सितंबर) के दौरान, जो परंपरागत रूप से स्वच्छ हवा का समय होता है, 122 दिनों में से 76 दिनों में प्रदूषण बना रहा, जिसकी वजह ओजोन प्रदूषण था, जो 54 दिनों में दर्ज किया गया।

2023 की तुलना 2024 से करें तो प्रदूषित दिनों की संख्या 333 से घटकर 293 हो गई, जो मामूली लेकिन महत्वपूर्ण सुधार को दर्शाता है। हालांकि, जैसा कि प्रो. चोपने ने बताया, "प्रदूषण में कमी राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) जैसे ठोस उपायों की तुलना में जलवायु परिस्थितियों से अधिक जुड़ी हुई है। चंद्रपुर को स्थायी वायु गुणवत्ता हासिल करने से पहले एक लंबा रास्ता तय करना है।"

आंकड़ों से यह भी पता चला कि खुटाला औद्योगिक क्षेत्र में बस स्टैंड के पास शहर के मुख्य वायु निगरानी केंद्र की तुलना में लगातार उच्च प्रदूषण स्तर दर्ज किया गया। इसके अलावा, घुग्गस जैसे क्षेत्रों में प्रदूषण का स्तर और भी अधिक गंभीर दिखा, जो लक्षित हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता को दर्शाता है।

मामूली सुधार के बावजूद, चंद्रपुर के शहरी क्षेत्र और औद्योगिक क्षेत्र भारी प्रदूषण में हैं, जिसका मुख्य कारण वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन, औद्योगिक गतिविधियाँ, कोयला दहन और अपशिष्ट जलाना है। श्वसन और हृदय संबंधी बीमारियों के बढ़ते मामले, साथ ही 2006 से व्यापक स्वास्थ्य सर्वेक्षण की कमी, कार्रवाई की तत्काल आवश्यकता को बढ़ाती है।

प्रोफ़ेसर चोपने ने स्थानीय प्रतिनिधियों और अधिकारियों से सख्त प्रदूषण नियंत्रण उपायों को लागू करके और स्वास्थ्य सर्वेक्षण करके सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। उन्होंने प्रदूषण से होने वाली बीमारियों के लिए मुफ़्त चिकित्सा उपचार की भी मांग की, जिसे चंद्रपुर नगर निगम की हाल ही में हुई बैठक में मंज़ूरी दी गई।

चंद्रपुर अभी भी राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत है, जो वायु गुणवत्ता सुधार के लिए धन और सहायता प्रदान करता है। हालांकि, विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि शहर के वायु प्रदूषण संकट को दूर करने के लिए अधिक केंद्रित और प्रभावी उपायों की तत्काल आवश्यकता है।

महिला शिक्षा के लिए सावित्रीबाई फुले का संघर्ष प्रेरणा का स्त्रोत: विधायक जोरगेवार

> सवित्रीबाई फुले स्कूल में सवित्रीबाई फुले जयंती समारोह

चंद्रपुर. क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले ने जीवन भर समाज की रूढ़ियों और परंपराओं के खिलाफ संघर्ष किया और शिक्षा के माध्यम से समाज को एक नई दिशा दी। उन्होंने महिलाओं एवं पिछड़े वर्गों को शिक्षा की धारा में लाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उस समय की विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और शिक्षा का दीपक जलाए रखा। विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा कि यह संघर्ष महिला शिक्षा के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है।

बाबूपेठ के सावित्रीबाई फुले स्कूल में सावित्रीबाई फुले जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। वह इसी कार्यक्रम में बोल रहे थे . इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त विपिन पालीवाल, जिला परिषद प्राथमिक शिक्षा अधिकारी अश्विनी सोनावने , प्रिंसिपल नागेश नित , स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष कुंडा बावने , उपाध्यक्ष राधा चिंचोलकर , पूर्व नगरसेवक प्रदीप किरमे , रूपेश पांडे , अमोल नलमवार आदि उपस्थित थे।

इस मौके पर आगे बोलते हुए जोरगेवार ने कहा कि आज सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में काम करते समय क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले के विचार मार्गदर्शक बनते हैं. उन्होंने महिलाओं के लिए शिक्षा के द्वार खोले। आज महिलाएं न केवल शिक्षित हैं बल्कि हर क्षेत्र में आगे बढ़ी हैं। जन प्रतिनिधि होने के नाते हमारी भी जिम्मेदारी है और हम शिक्षा के क्षेत्र में बालिकाओं की समस्याओं के समाधान के लिए कृतसंकल्पित हैं। हमने कई जरूरतमंद छात्रों को साइकिलें वितरित की हैं। विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा कि यह गतिविधि जारी रहेगी और जरूरतमंद छात्रों को स्कूल आने के लिए साइकिलें वितरित की जाएंगी. आज भी उनके विचार और कार्य की प्रेरणा हमें समानता और शिक्षा का मार्ग दिखाती है। उन्होंने कहा कि हम सभी को सावित्रीबाई के विचारों को आत्मसात करना चाहिए और शिक्षा के माध्यम से समाज को बेहतर बनाना चाहिए , यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी । किसी भी छात्र को शिक्षा के क्षेत्र में बाधा नहीं पहुंचाई जाएगी। हम नई योजनाएं एवं शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत हैं। विधायक किशोर जोरगेवार ने लड़कियों से शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने , नए कौशल सीखने और देश की प्रगति में योगदान देने का आग्रह किया।

इस अवसर पर सामाजिक सभा एवं खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सबसे पहले विधायक किशोर जोरगेवार ने क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उनका अभिवादन किया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक, अभिभावक और छात्र उपस्थित थे।

फिर एक बाघ की मौत से वन अधिकारी की परेशानी बढ़ी

चंद्रपुर।

चंद्रपुर जिले के सिंदेवाही वन परिक्षेत्र के उप क्षेत्र सिंदेवाही में 2 जनवरी 2025 को सुबह वन विभाग अधिकारी गस्त कर रहे थे। इसी दौरान लाडबोरी के रमेश पांडुरंग गंडाईत सिंदेवाही निवासी के खेत से सटे नाले के पास बाघ का शव मृत अवस्था मे मिला है। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र सहायक एन टी गढ़पायले, वन रक्षक फूलझेले ने घटना स्थल को भेंट देकर वरिष्ठ अधिकारी को जानकारी दी। इसके बाद उप वनसंरक्षक राकेश सेपट, सहायक चोपड़े, पशु चिकित्सक रविकांत खोबरागड़े के अन्य की उपस्थिति में शव को जांच के बाद बाघ के शव का दहन किया गया है। बाघ वृद्ध अवस्था का होकर बाघ के सभी अंग सुरक्षित पाए गए है। पोस्ट मॉर्टम रिपोर्ट से बाघ की मौत का सही कारण पता चलेगा।

विज्ञान प्रदर्शनी में इंदिरा गांधी कनिष्ठ विज्ञान महाविद्यालय को द्वितीय पुरस्कार मिला

गढ़चिरोली : कमलाताई मुनघाटे हायस्कूल तथा कनिष्ठ महाविद्यालय गडचिरोली में आयोजित तहसील स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में शामिल इंदिरा गांधी कनिष्ठ विज्ञान महाविद्यालय गडचिरोली को द्वितीय क्रमांक मिला है है। इस तरह इंदिरा गांधी कनिष्ठ विज्ञान महाविद्यालय को जिलास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ। इस विज्ञान प्रदर्शनी में सहभागी महाविद्यालय के विध्यार्थी विवेक देवतळे, विवेक देंतुलवार, प्रगती डोमळे, भाग्यदेवी कोंडागुर्ला सहीत अन्य विद्यार्थ्यायों के सहयोग से द्वितीय क्रमांक प्राप्त करने में सफलता प्राप्त किया गया। सफलता का श्रेय इंदिरा गांधी कनिष्ठ विज्ञान महाविद्यालय के संस्थापक विश्व शांतिदूत श्री प्रकाश आर अर्जुनवार सर , प्रचार्य श्रीमती नलिना लोखंडे मॅडम तसेच शिक्षक वृंद प्रा.शुभांगी चापले मॅडम , प्रा.हर्षाली मडावी मॅडम , प्रा.अनिकेत कानमपल्लीवार को दिया गया।

अंततः हमलावर बाघ वन विभाग की कैद में

> बाधित क्षेत्र के नागरिकों ने राहत की सांस ली

> बाघ को बंदी बनाने से ग्रामीणों में खुशी का माहौल

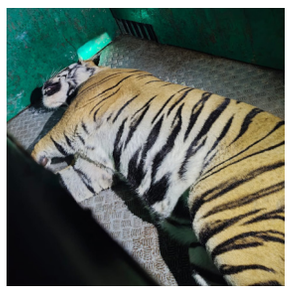

राजुरा, संतोष कुंदोजवार

नए साल के पहले दिन विरूर वन क्षेत्र के नागरिकों, किसानों और खेतिहर मजदूरों ने राहत की सांस ली. वन विभाग ने आखिरकार रात साढ़े नौ बजे के बीच अंतरगांव वन क्षेत्र के कक्ष क्रमांक 133 में नरभक्षी बाघ को कैद करने में सफलता हासिल कर ली और विरूर स्टेशन वन क्षेत्र अधिकारी के रूप में नव नियुक्त प्रकाश झाडे के अतुलनीय प्रदर्शन ने हर जगह खुशी फैला दी है।

तेलंगाना-महाराष्ट्र सीमा पर ढाबा वन क्षेत्र, विरूर वन क्षेत्र के गांवों में वन्यजीव और मानव संघर्ष चरमसीमा पर था. हमेशा बाघ के हमले का डर ग्रामीणों में फैला था. जिसकी वजह से ग्रामीणों के खेतखलिहान के कार्यों पर बुरा असर पड़ रहा था.

वन संरक्षक श्वेता बोड्डू के मार्गदर्शन और उप प्रभागीय वन अधिकारी पवन कुमार जोंग के नेतृत्व में प्रभारी वन परिक्षेत्र अधिकारी प्रकाश झाडे, सहायक वन संरक्षक प्रकाश अवधूतवार, वनपाल फुलजेले, डॉ. पोडचेलवार, नूर अल्ली, वनरक्षक नरेश लाडसे, धनराज रायपुरे, वनरक्षक कुलसंगे, पी.आर.टी. टीम के स्टाफ, वनकर्मियों ने अथक परिश्रम किया।

इस बीच विरूर में आदमखोर बाघ ने विरूर वन क्षेत्र के कक्ष क्रमांक 126 (1) कोष्टला में बगलवाही निवासी जांगू रामू अत्राम और कवितपेठ निवासी लालूबाई अर्जुन अत्राम दोनों को मार डाला था। तेलंगाना के शिरपुर इलाके में कुछ लोगों को घायल करने की घटनाएं भी हुई थीं, जिससे इलाके में इस आदमखोर बाघ का डर फैल गया था. हालांकि, ग्रामीणों और मृतक के रिश्तेदारों ने आरोप लगाया कि सहायक वन संरक्षक और प्रोबेशनरी ऑफिसर ने मामले को ठीक से नहीं संभाला. हालांकि दो घटनाएं हुईं और जब बाघ इलाके में घूम रहे थे, तब भी संबंधित अधिकारी उचित कार्रवाई नहीं कर रहे थे और इन सभी मामलों में कोई अनुभव नहीं था, इसलिए घटना की पुनरावृत्ति न हो, इसलिए वन विभाग ने प्रकाश झाडे को नियुक्त किया। वरिष्ठ स्तर से प्रभारी वन क्षेत्र पदाधिकारी के उस निर्णय से वन विभाग और स्थानीय निवासियों को भी लाभ हुआ, अंततः वे खूंखार बाघ को कैद करने में सफल हो गये।

'पाताल लोक 2' का टीजर रिलीज

जयदीप अहलावत की मच अवेटेड सीरीज 'पाताल लोक 2' का टीजर आ गया है। जयदीप अहलावत ने एक बार फिर हाथीराम चौधरी के रोल में दमदार वापसी की है। हालांकि, टीजर में दूसरे सीजन की झलक नहीं दिखाई गई है, पर जयदीप जिस तरह से लिफ्ट में एक खूंखार कहानी बताते नजर आ रहे हैं, उससे हिंट मिलता है कि दूसरा सीजन तगड़ा होने वाला है।

पाताल लोक सीजन 2 के टीजर की शुरुआत हाथीराम बने जयदीप अहलावत से होती है।

वह एक लिफ्ट में हैं और अचानक ही वह रुक जाती है। फिर वह बोलते हैं,'एक कहानी सुनाऊं क्या? एक गांव में एक आदमी रहता था। उसे कीड़ों से बड़ी नफरत थी। कहता था कि इन सारी बुराइयों की जड़ ये कीड़े हैं। फिर एक दिन उस आदमी के घर के कोने से एक कीड़ा निकला और उसने उस आदमी को काट लिया।'

वह आगे कहानी सुनाते हैं, 'लेकिन हिम्मत करके उस आदमी ने उस कीड़े को मार दिया। बस फिर क्या, बंदा रातोंरात हीरो बन गया पूरे गांव ने उसे सिर-आंखों पर बिठा लिया। सब खुश और अगली कई रातें बड़े चैन से मुस्कुराते हुए सोया। फिर एक सुनसान रात में उसके बिस्तर के नीचे कुछ मिला। एक कीड़ा था और फिर 10, हजार, लाख करोड़... अनगिनत कीड़े। उसे क्या लगा था? एक कीड़ा मार दिया तो खेल खत्म? ऐसा थोड़ी ना होता है पाताल लोक में।' इस कहानी के जरिए जयदीप अहलावत का किरदार एक तरह से चेतावनी देता है कि खेल अभी खत्म नहीं हुआ है और काफी ट्विस्ट और सस्पेंस देखने को मिलेगा। टीजर देख यूजर्स भी कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा है, 'नए सीजन का बेसब्री से इंतजार है। एकदम खूंखार हाथीराम। पहला सीजन पसंद आया था।' एक और कमेंट है, 'सालों का इंतजार पूरा हुआ। हाथीराम इज बैक।'

'पाताल लोक' का दूसरा सीजन 17 जनवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगा। इसमें गुल पनाग, तिलोत्तमा शोम और इश्वाक सिंह हैं।

बॉक्स ऑफिस पर रेंगती नजर आ रही 'बेबी जॉन'

वरुण धवन की फिल्म 'बेबी जॉन' का कलेक्शन बॉक्स ऑफिस पर लगातार गिरता जा रहा है। फिल्म को रिलीज हुए दस दिन हुए, लेकिन लगता है, जिस तरह से इसकी कमाई में गिरावट दर्ज हो रही है, उस हिसाब से यह जल्द ही सिनेमाघरों से विदा ले लेगी। क्रिसमस पर रिलीज हुई ये फिल्म छुट्टियों का फायदा नहीं उठा पाई। वहीं, नए साल पर भी यह कुछ खास नहीं कर पाई। आइए जानते हैं फिल्म ने 9वें दिन कितना कलेक्शन किया। बॉक्स ऑफिस पर 'बेबी जॉन' की कमाई में नए साल के दूसरे दिन गिरावट देखने को मिली। फिल्म ने अपने रिलीज के 9वें दिन फिल्म ने बॉक्स ऑफिस से अब तक एक करोड़ का कलेक्शन किया है। वहीं, एक जनवरी को फिल्म ने 2.75 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। फिल्म के ओपनिंग की बात करें तो 11.25 करोड़ रुपये के साथ फिल्म ने खाता खोला था। हालांकि, इसके बाद फिल्म डबल डिजिट का आंकड़ा नहीं छु पाई। वरुण धवन की फिल्म 'बेबी जॉन' के बजट की बात करें तो यह 160 करोड़ रुपये के बजट में बनी है। अब तक फिल्म अपने बजट का 20 प्रतिशत ही कलेक्शन बॉक्स ऑफिस से कर पाई है। फिल्म की अब तक की कुल कमाई 36.40 करोड़ रुपये हो चुकी है।

ईशा को अविनाश की मां ने किया रिजेक्ट

'बिग बॉस 18' के घर में अविनाश मिश्रा और ईशा सिंह बतौर कंटेस्टेंट शामिल हुए हैं. शुरुआत में इन दोनों में बहुत अच्छी दोस्ती थी और अब ये दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदलती हुई नजर आ रही हैं. हालांकि अविनाश इस बारे में बात कर चुके हैं, लेकिन ईशा इस रिश्ते को सिर्फ दोस्ती का नाम देती हैं. वहीं अविनाश मिश्रा की मां संगीता मिश्रा ने साफ-साफ कह दिया है कि वो ईशा को अपने बेटे की महज एक दोस्त मानती हैं. खास बातचीत में अविनाश की मां ने कहा कि ईशा अविनाश के साथ गेम खेल रही है और उन्हें नहीं लगता की वो उनके बेटे की सच्ची दोस्त हैं. वो चाहती हैं कि अविनाश ईशा से दूर रहें.

अविनाश की मां संगीता मिश्रा ने कहा,"धीरे-धीरे ईशा का गेम भी सबके सामने आ रहा है. जब भी अविनाश का साथ देने का समय आता है, ईशा उस समय पीछे हट गई हैं. दोस्त ऐसा नहीं करते. वो अविनाश को छोड़कर रजत दलाल के पास भी चली जाती हैं. उसे लगता है कि उसके 'रजत भाई' उसे बचाएंगे. ईशा सिर्फ खुद को सेफ रखने के लिए उनका खुदगर्जो वाला गेम दिखा रही हैं. मुझे नहीं लगता कि वो अविनाश की सच्ची दोस्त है. मुझे लगता है कि मेरे बेटे को उनसे दूर रहना चाहिए. लेकिन अब इस मोड़ पर मैं उनसे ज्यादा बात करके उनका गेम ख़राब नहीं करना चाहती. अविनाश की मां को क्या ईशा सिंह में अपनी बहू के गुण नजर आते हैं? इस सवाल का जवाब देते हुए अविनाश की मां संगीता मिश्रा बोलीं,"ऐसा तो कुछ नहीं है. लेकिन मैं ये नहीं कहूंगी कि ईशा खराब है. लेकिन सब की अपनी-अपनी सोच है. जैसा उसे समझ में आ रहा है, वैसे वो खेल रही है. लेकिन जहां तक बहू वाली बात है, मैंने अब तक उस बारे में कुछ सोचा ही नहीं है. अविनाश भी इस बारे में नहीं सोचते. क्योंकि फिलहाल रिलेशनशिप के लिए वो बिल्कुल भी तैयार नहीं है. शादी के बारे में उन्होंने खुद मुझसे कहा है कि मम्मी मुझे थोड़ा टाइम चाहिए.

फ्लॉप रहा इन एक्ट्रेसेस का करियर

फिल्मों से जुड़े हर कलाकार का सपना बड़े स्टार्स के साथ काम करने का होता है. बड़े सितारों के साथ काम करने से करियर को नई दिशा मिलती है और एक बड़ा मुकाम हासिल होता है. चलिए आज कुछ ऐसी एक्ट्रेसेस की बात करते हैं, जो प्रभास और अल्लू अर्जुन जैसे सितारों के साथ काम कर चुकी हैं, लेकिन उनका करियर चल नहीं पाया.

काजल अग्रवाल ने साल 2004 में हिंदी फिल्म 'क्यों हो गया ना' के साथ बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था. लेकिन इस इंडस्ट्री में अच्छी फिल्में नहीं मिल रही थीं. ये देखने के बाद काजल ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री की तरफ रुख किया. साउथ में उन्होंने प्रभास, राम चरण जैसे कई सुपरस्टार्स के साथ काम किया. हालांकि इतने बड़े सुपरस्टार्स के साथ काम करने के बावजूद उनका करियर फ्लॉप रहा.

पंजाब की कृति खरबंदा ने भी 'केजीएफ' के यश के साथ कन्नड़ फिल्म 'गुगली' में काम किया है. सिर्फ यश ही नहीं राम चरण के साथ भी कृति ने बड़े पर्दे पर रोमांस किया है. लेकिन कन्नड़ और तेलुगू दोनों इंडस्ट्री के बड़े चेहरों के साथ काम करने के बावजूद कृति बॉलीवुड में अपना जादू नहीं चला पाईं. 'जन्नत' के सफल होने के बावजूद जब सोनल चौहान को बॉलीवुड में काम नहीं मिला, तब उन्होंने भी साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी किस्मत आजमाकर देखी. सोनल ने नागार्जुन जैसे बड़े तेलुगु सुपरस्टार के साथ भी काम किया.अब वो हिंदी फिल्मों में सपोर्टिंग किरदार निभाती हुई नजर आती हैं. मुंबई में रहने वाली अदा शर्मा ने '1920' के साथ बॉलीवुड में अपना डेब्यू किया था. तीन हिंदी फिल्मों में काम करने के बाद अदा भी साउथ इंडस्ट्री में चली गईं. वहां उन्होंने 'पुष्पा 2' फेम अल्लू अर्जुन (सन ऑफ सत्यमूर्ति), तेलुगू 'हार्टथ्रोब' नितिन (हार्ट अटैक) के साथ फिल्में की. लेकिन बड़े सुपरस्टार्स का नाम जुड़ने के बाद भी अदा कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाईं.

सोनी सब के रामायण के पुरे हुए एक साल

- सुजय रेऊ ने कहा, "श्री राम को सबसे अलग

सोनी सब के 'श्रीमद् रामायण' में श्री राम (सुजय रेऊ) और सीता (प्राची बंसल) की महागाथा को दर्शाया गया है। यह शो टेलीविजन पर अपना सफल एक साल मना रहा है और इस अवसर पर विशेष साक्षात्कार में सुजय रेऊ ने अपने सफर के बारे में बताया। श्री राम के शांत और संयमित आचरण को चित्रित करने से लेकर शो के कुछ सबसे शक्तिशाली क्षणों को फिर से जीने तक सुजय रेऊ ने बताया कि उन्होंने खुद को इस भूमिका में कैसे ढाला है।

1.पिछले एक साल में आपकी यात्रा कैसी रही और इस मील के पत्थर तक पहुँचने पर आपके क्या विचार हैं?

मुझे यकीन नहीं हो रहा है कि शो को लॉन्च हुए एक साल हो गया है। यह वाकई एक अद्भुत अनुभव रहा है। मैं इस तरह के एक खास शो का हिस्सा बनकर खुद को बहुत भाग्यशाली महसूस कर रहा हूँ। एक अभिनेता के तौर पर श्री राम का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान था और इस भूमिका से जुड़ने से मुझे दर्शकों से बहुत प्यार मिला। उनके प्रोत्साहन की वजह से ही यह मील का पत्थर संभव हो पाया।

2.पीछे मुड़कर देखें तो शो में आपके पसंदीदा सीन या पल कौन से थे?रामायण अविश्वसनीय पलों से भरा हुआ है। लगभग हर सीन मेरे लिए खास और यादगार रहा है। हालाँकि, अगर मुझे कुछ हाइलाइट्स चुनने हों, तो सबसे पहले मेरा एंट्री सीक्वेंस होगा। इस सीन में मैंने बैकग्राउंड में बज रहे एक खूबसूरत राम भजन के साथ गंगा आरती की। घाट की सीढ़ियों से नीचे उतरना और आरती करना एक अतुलनीय अनुभव था और जब मैंने अंतिम शॉट देखा, तो मुझे यकीन ही नहीं हुआ कि स्क्रीन पर मैं हूँ। एक और पसंदीदा स्वयंवर सीक्वेंस है, जिसे खूबसूरती से शूट किया गया था। सीता हरण सीक्वेंस भी मेरे दिल के बहुत करीब है। जिस तरह से कहानी आगे बढ़ती है, उसमें श्री राम सीता के अपहरण का पता लगाते हैं और अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हैं, वह अविश्वसनीय रूप से शक्तिशाली है। इनमें से प्रत्येक दृश्य को विस्तार से ध्यानपूर्वक निष्पादित किया गया था - आश्चर्यजनक दृश्यों से लेकर भावपूर्ण संगीत तक जिसने हर पल में एक अनूठा आकर्षण और सुंदरता जोड़ी।सोमवार-शनिवार शाम 7.30 बजे सोनी सब पर श्रीमद रामायण देखने के लिए ट्यून इन करें

'गोल्डन ग्लोब्स 2025' में 'वंडर वुमन' का नाम शामिल

इस साल 5 जनवरी, रविवार को 'गोल्डन ग्लोब्स 2025' समारोह आयोजित किया जाएगा। इस साल के पुरस्कार प्रस्तुतकर्ताओं में इजरायली अभिनेत्री गैल गैडोट का नाम भी शामिल है। एक्ट्रेस मार्वेल की 'वंडर वुमन' के नाम से भी प्रशंसकों के बीच मशहूर हैं। वह 'फास्ट एंड फ्यूरियस' फ्रेंचाइजी का भी हिस्सा रही हैं। गोल्डन ग्लोब्स फाउंडेशन और सीबीएस ने घोषणा की कि 'फास्ट एंड फ्यूरियस' फ्रेंचाइजी को-स्टार्स विन डीजल, ड्वेन जॉनसन के साथ गैल गैडोट भी शामिल होंगी।

हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि 'फास्ट एंड फ्यूरियस' फ्रेंचाइजी के ये तीनों अभिनेता एक साथ दिखाई देंगे। गैल गैडोट ने हाल ही में खुलासा किया था कि मार्च 2024 में अपनी बेटी को जन्म देने से पहले उनके मस्तिष्क में रक्त के थक्के के लिए उनकी आपातकालीन सर्जरी हुई थी। अनुमान लगाया जा रहा है कि अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्म 'स्नो व्हाइट' के प्रचार के लिए शामिल होंगी। इस पुरस्कार समारोह में भाग लेने वाले अभिनेता ड्वेन जॉनसन को हाल ही में ऑली क्रावल्हो के साथ 'मोआना 2' में देखा गया था। अब दोनों को ग्लोब्स प्रस्तुतकर्ता के रूप में भी बुक किया गया है। शायद उन्हें उनके कैरेक्टर्स माउई और मोआना की तरह ही जोड़ा जाएगा, जो फिल्म में एक साथ हैं। वहीं, विन डीजल अभी प्रमोशनल टूर पर नहीं हैं, लेकिन वह 2026 में 'फास्ट एक्स: पार्ट 2' में गैडोट और जॉनसन के साथ अभिनय करेंगे, जो संभावित अंतिम फास्ट एंड फ्यूरियस फिल्म है।

राम चरण 'गेम चेंजर' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे

शाहरुख खान ने अपने करियर में से एक से बढ़कर एक फिल्में दी हैं. इनमें से एक है- 'कभी खुशी कभी गम'. साल 2001 में यह पिक्चर रिलीज हुई थी. फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था. इसमें शाहरुख खान के अलावा अमिताभ बच्चन, ऋतिक रोशन, करीना कपूर खान और काजोल समेत कई बड़े स्टार्स दिखे थे. फिल्म का बजट 40-45 करोड़ रुपये था. फिल्म के एक गाने के लिए मेकर्स ने प्लेन को ही बस की तरह इस्तेमाल कर दिया था. ऐसा ही कुछ अब राम चरण भी कर रहे हैं. 'गेम चेंजर' के 4 गानों पर 75 करोड़ लगाए गए हैं. पर शाहरुख खान की 25 साल पहले आई फिल्म में यह हो चुका है.

दरअसल राम चरण की 'गेम चेंजर' 10 जनवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. बीते दिनों फिल्म का ट्रेलर आया था, जिसे ठीक-ठाक रिस्पॉन्स मिल रहा है. हाल ही में पता लगा था कि मेकर्स ने 'गेम चेंजर' के चार गानों पर 75 करोड़ रुपये उड़ा दिए हैं. राम चरण और कियारा आडवाणी की फिल्म आ रही है. 'गेम चेंजर' के 4 गानों का बजट 75 करोड़ रुपये है. जिन गानों पर मेकर्स ने पानी की तरह पैसा बहाया है, पर शाहरुख खान की फिल्म में ऐसा पहले ही हो चुका है. हाल ही में डायरेक्टर निखिल आडवाणी ने डिजिटल कमेंटरी से बातचीत की. इस दौरान 'कभी खुशी कभी गम' का एक दिलचस्प किस्सा सुना दिया. इस फिल्म की शूटिंग के दौरान चार्टर प्लेन को बस की तरह इस्तेमाल किया गया था.

एक छोटा सा देश है, जिसका वेस्ट एक तरफ, तो ईस्ट एकदम अपोजिट की पड़ जाता है. पर टेंशन किसी चीज की नहीं थी, क्योंकि शूटिंग के दौरान उनके पास एक प्लेन था- बोइंग 737. यह टरमैक पर उनका इंतजार करता था. टीम के 52 लोगों को हर तरफ ले जाने के लिए प्लेन का इस्तेमाल हो रहा था. डायरेक्टर ने बताया कि, प्लेन को बस की तरह इस्तेमाल किया जा रहा था. हालांकि, निखिल ने ही बताया था कि इस फिल्म को बनाने के लिए यश जौहर के पास पैसे नहीं थे. जिसके लिए कई लोगों से मदद मांगी थी, पर कोई आगे नहीं आया.

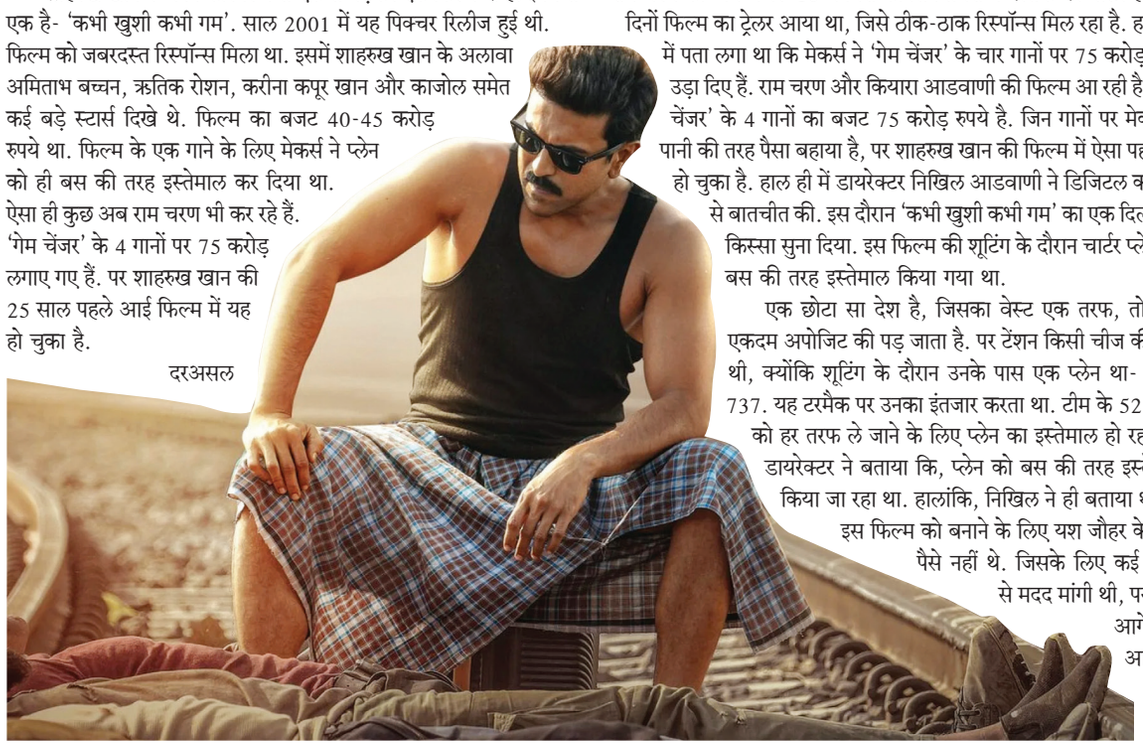

कीर्ति ने शादी में पहनी 30 साल पुरानी साड़ी

अभिनेत्री कीर्ति सुरेश के लिए गुजरा हुआ साल काफी शानदार रहा, क्योंकि उन्होंने अपने बचपन के दोस्त एंटनी थाटिल से शादी की और बॉलीवुड में डेब्यू भी किया। हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी शादी की पोशाक के बारे में खास बात बताई। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने अपनी शादी में 30 साल पुरानी साड़ी पहनी थी।कीर्ति सुरेश ने ने हाल ही में 12 दिसंबर, 2024 को गोवा में एक शानदार समारोह में अपने लंबे समय के साथी एंटनी थाटिल से शादी की। एंथनी पारंपरिक कुर्ता-धोती में आकर्षक लग रहा था, जबकि कीर्ति ने एक खूबसूरत लाल साड़ी में सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।अभिनेत्री ने साझा किया कि उन्होंने अपनी शादी के दिन जो खूबसूरत लाल साड़ी पहनी थी, वह उनकी मां से मिली एक अनमोल विरासत थी, जो परिवार के इतिहास का 30 साल पुराना हिस्सा है। क्लासिक साड़ी को एक आधुनिक रूप देने के लिए, इसे मशहूर डिजाइनर अनीता डोंगरे द्वारा फिर से तैयार किया गया था। डिजाइनर ने कपड़े पर सिल्वर और लाल रंग के मिश्रण का इस्तेमाल किया। कीर्ति ने खुलासा किया कि लाल साड़ी पहनने का उनका फैसला काफी आसान था। शुरू में, उन्होंने दूल्हे के परिवार द्वारा उपहार में दी गई साड़ी पहनने की योजना बनाई थी। हालांकि, अपनी मां की अलमारी में झांकते हुए, उनकी नजर एक शानदार लाल साड़ी पर पड़ी और उन्हें तुरंत इससे प्यार हो गया, जिसके बाद उन्होंने इसे पहनने का फैसला किया

"तेनाली रामा में तेनाली के भूत ने तथाचार्य को किया हैरान!

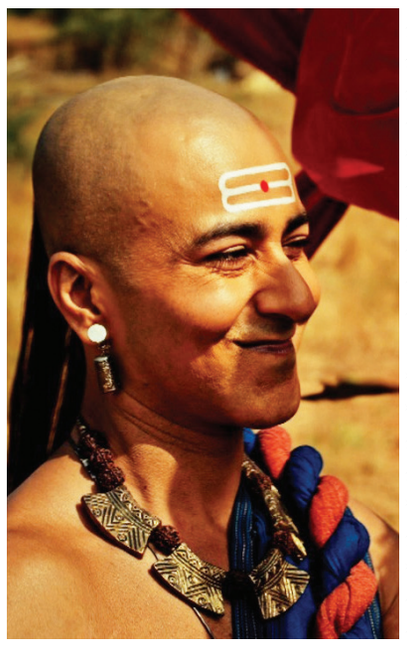

सोनी सब के लोकप्रिय शो तेनाली रामा में तेनाली रामा (कृष्ण भारद्वाज) के नए कारनामों ने दर्शकों को काफी आकर्षित किया है। हाल के एपिसोड में, तेनाली विजयनगर लौटने पर रात बिताने के लिए एक सुरक्षित जगह की तलाश करता है। यह वही राज्य है जहां उसे पहले निर्वासित किया गया था।

आगामी एपिसोड में, राजा कृष्णदेव राय के सेनापति तिम्मारासु (अमित पचोरी) को यह जानकारी मिलती है कि तेनाली रामा विजयनगर लौट आया है। हालांकि, तिम्मारासु उसे छिपे रहने की सलाह देते हैं, क्योंकि उसका कर्तव्य राजा को सूचित करना है। तिम्मारासु, हालांकि, तेनाली को पकड़ने से पहले उसकी मदद करने का प्रयास करते हैं। तेनाली चतुराई से तथाचार्य (पंकज बेरी) के घर में छिप जाता है। वह जानता है कि कोई भी यह नहीं सोचेगा कि वह अपने प्रतिद्वंद्वी के घर में शरण लेगा। तथाचार्य के सहायक धानी (सनी किशनन) और मणि (सोहित सोनी) उसे भूत समझ लेते हैं, और इसी भ्रम के कारण तेनाली गुप्त रूप से गांव वालों और उनकी समस्याओं को हल करने में जुट जाता है। इस बीच, गांव में उसकी वापसी की अफवाह फैल जाती है।राजा कृष्णदेव राय को तथाचार्य के दावों से इस बात का संदेह होता है कि तेनाली रामा जीवित है और उसने विजयनगर में वापसी की है। राजा, तिम्मारासु और गांव वालों से जानकारी लेकर इस रहस्य को सुलझाने की कोशिश करते हैं। क्या तेनाली अपनी वापसी को छुपाने में सफल हो पाएगा? यह सवाल शो के अगले एपिसोड में दिलचस्प मोड़ लेकर आएगा। तेनाली रामा की भूमिका निभा रहे कृष्ण भारद्वाज ने कहा, "तेनाली विजयनगर के प्रति अपनी निष्ठा से प्रेरित होकर, अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए राज्य को खतरे से बचाने की कोशिश करता है। वह अपनी बुद्धि और सूझबूझ का उपयोग करते हुए चुनौतियों का सामना करता है। इस ट्रैक में ढेर सारे हास्य और हल्के-फुल्के पल होंगे, क्योंकि तथाचार्य गलती से तेनाली को भूत समझ बैठता है। तेनाली रामा को सोनी सब पर सोमवार से शनिवार रात 8 बजे देखा जा सकता है।

आखरी टेस्ट का पहला दिन भारत ने बनाये 185/10

ऑस्ट्रेलिया को भी लगा शुरूआती झटका 9/1

सिडनी.

भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के 5वें टेस्ट की पहली पारी में 185 रन पर ऑलआउट हो गई है। शुक्रवार को स्टंप्स तक ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9/1 है। उस्मान ख्वाजा 2 रन बनाकर आउट हुए। सैम कोंस्टास पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद 7 रन पर नाबाद लौटे हैं। स्टंप्स से ठीक पहले जसप्रीत बुमराह की युवा ओपनर सैम कोंस्टास से बहस हो गई। इस बहस के तुरंत बाद बुमराह ने उस्मान ख्वाजा (2 रन) को पवेलियन की राह दिखाई। ख्वाजा के आउट होने ही अंपायर्स ने दिन का खेल समाप्त कर दिया। भारतीय टीम से ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। रवींद्र जडेजा 26 रन बनाकर आउट हुए। शुभमन गिल ने 20 रन और विराट कोहली ने 17 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया से स्कॉट बोलैंड ने 4 विकेट झटके। मिचेल स्टार्क को 3 विकेट मिले। पैट कमिंस को 2 विकेट मिले। एक विकेट नाथन लायन के खाते में आया। भारत ने टॉस जीतकर बैटिंग करने का फैसला लिया है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में रोहित शर्मा

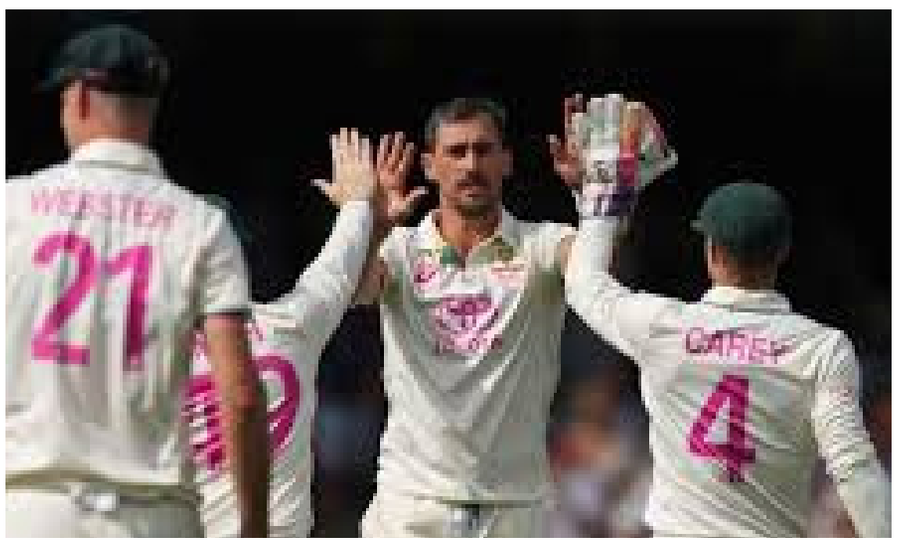

की जगह जसप्रीत बुमराह टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे हैं। रोहित शर्मा को रेस्ट दिया गया है। बुमराह ने बल्ले से भी मचाया धमाल, सिडनी टेस्ट के पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है. ऑस्ट्रेलिया ने 3 ओवर के खेल में ख्वाजा का विकेट खोते हुए 9 रन बना लिए हैं. इससे पहले भारत की पहली पारी 185 रनों पर सिमटी. भारत के लिए सबसे ज्यादा 40 रन ऋषभ पंत ने बनाए. रवींद्र जडेजा ने 26 रनों का योगदान दिया. जबकि बुमराह ने एक विकेट लेने के अलावा बल्ले से भी टीम के लिए महत्वपूर्ण पारी खेली. उन्होंने 17 गेंदों में 3 चौके और 1 छक्के की मदद से 22 रन बनाए. बता दें कि बुमराह इस मैच में रोहित की गैरमौजूदगी में कप्तानी भी कर रहे हैं. ऑस्ट्रेलिया की पारी के तीसरे ओवर के दौरान मैदान पर कुछ ऐसा घटा जिसने सभी को हैरान कर दिया. ओवर बुमराह डाल रहे थे और स्ट्राइक पर खड़े ख्वाजा एक्शन में आने के लिए समय ले रहे थे. इस बात पर बुमराह थोड़े परेशान दिखें. लेकिन दूसरी ओर नॉन स्ट्राइक पर खड़े सैम कॉन्स्टस अचानक से इस मामले में कूद पड़े. इसके बाद बुमराह गुस्से में सैम की तरफ आए. दोनों एक दूसरे को कुछ कहते हुए भी दिखें. जबकि कॉन्सटस का इस मामले से कोई लेना देना नहीं था फिर भी वे बेवजह बीचे में आए तो बुमराह भी बिफर पड़े. बुमराह और कॉन्सट्स को अंपायर ने तुरंत ही शांत करा लिया. इसके बाद बुमराह ने ख्वाजा को गेंद डाली जो डॉट रही. लेकिन अगली गेंद पर ख्वाजा आउट हो गए जो कि ओवर की और पहले दिन के खेल की आखिरी गेंद भी थी. स्लिप में केएल राहुल ने ख्वाजा का कैच लपक लिया. इसके बाद बुमराह जोर से कॉन्स्टस पर चीखते चिल्लाते हुए नजर आए. अन्य भारतीय खिलाड़ियों ने भी कॉन्स्टस के सामने जोरदार अंदाज में चीखते हुए विकेट का जश्न मनाया.

ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9/1, उस्मान का गिरा विकेट

सिडनी टेस्ट का पहला दिन तेज गेंदबाजों के नाम रहा। दिन का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 9 रन पर पहला विकेट गंवा दिया है। ख्वाजा 2 रन बनाकर आउट हो चुके हैं, जबकि सैम कोंस्टास 7 रन पर नाबाद हैं। ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे ओवर की आखिरी बॉल पर पहला विकेट गंवा दिया है। उस्मान ख्वाजा 2 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जसप्रीत बुमराह ने केएल राहुल के हाथों कैच कराया। ऑस्ट्रेलिया ने पारी की शुरुआत चौके से की है। युवा ओपनर सैम कोंस्टास ने जसप्रीत बुमराह की पहली बॉल पर चौका जमाया।

श्रीलंका ने आखिरी टी20 सात रन से जीता

कुसल परेरा ने टी20 क्रिकेट में श्रीलंका के लिए सबसे तेज शतक लगाकर तीन मैचों की सीरीज के आखिरी मैच में अपनी टीम को न्यूजीलैंड पर सात रन से जीत दिलाई। परेरा के 44 गेंद में शतक और कप्तान चरित असालांका के साथ शतकीय साझेदारी की मदद से श्रीलंका ने पांच विकेट पर 218 रन बनाए जो टी20 में उसका दूसरा बेस्ट स्कोर है। इससे पहले श्रीलंका ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। न्यूजीलैंड ने पहला मैच आठ रन से और दूसरा 45 रन से जीता था।

न्यूजीलैंड की टीम सात विकेट पर 211 रन ही बना सकी जिसमें रचिन रविंद्र ने 39 गेंद में 69 रन का योगदान दिया। न्यूजीलैंड की शुरूआत बहुत अच्छी रही और पावरप्ले के छह ओवरों में बिना किसी नुकसान के 60 रन बने। असालांका ने रविंद्र, मार्क चैपमैन (नौ) और ग्लेन फिलिप्स (छह) को आउट किया। असालांका ने 25 रन देकर तीन विकेट लिए थे, लेकिन डेरिल मिचेल ने उनके आखिरी ओवर में लगातार चार छक्के लगाकर उनका औसत बिगाड़ दिया।

वानिंदु हसरंगा ने मिचेल हे (आठ) और माइकल ब्रासवेल (1) को 16वें ओवर में पवेलियन भेजा। न्यूजीलैंड को आखिरी ओवर में 22 रन की जरूरत थी। पहली तीन गेंद पर छह रन लेने के बाद जाक फोक्स ने चौथी गेंद पर छक्का लगाया। आखिरी दो गेंद पर न्यूजीलैंड को 10 रन की जरूरत थी लेकिन उसके बल्लेबाज तीन रन ही बना सके। कुसल परेरा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि जैकब डफी प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। अब दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे इंटरनेशनल सीरीज खेली

समीर रिजवी ने किया कमाल

नई दिल्ली.

यूपी के स्टार युवा खिलाड़ी समीर रिजवी का बल्ला लगातार रन उगल रहा है। पहले अंडर-23 स्टेट ए ट्रॉफी में गदर मचाया अब विजय हजारे ट्रॉफी में दमदार शतक ठोक दिया है। यूपी के कप्तान रिंकू सिंह के फेल होने के बाद समीर रिजवी ने 82 गेंद पर 105 रन की पारी खेलकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

समीर रिजवी ने हाल ही में अंडर-23 स्टेट ए ट्रॉफी टूर्नामेंट में गजब की बल्लेबाजी की थी। रिजवी ने दो दोहरे शतक जड़े थे। उनके इस प्रदर्शन के बाद उन्हें विजय हजारे ट्रॉफी के लिए यूपी टीम में जगह दी गई। समीर ने पिछले दो मैचों में छत्तीसगढ़ के खिलाफ 48 रन की पारी खेली थी, जबकि चंडीगढ़ के खिलाफ बिना खाता खोले आउट हो गए थे। तीसरे ही मैच में फिर से गदर काट दिया। उन्होंने विदर्भ के खिलाफ उम्दा पारी खेली खेलते हुए लिस्ट ए क्रिकेट करियर का पहला शतक जड़ दिया।विदर्भ के खिलाफ यूपी की तरफ से समीर रिजवी ने 82 गेंद पर 105 रन की पारी खेली। इस दौरान 7 छक्के और 5 चौके उड़ाए। यह समीर रिजवी के लिस्ट ए क्रिकेट करियर का अब तक पहला शतक रहा। इस मैच में

यूपी के कप्तान रिंकू सिंह का बल्ला नहीं चला और वो 10 गेंद पर 6 रन बनाकर आउट हो गए। इनके अलावा शिवम मावी ने 20 गेंद पर एक छक्का और 3 चौका लगाकर नाबाद 33 रन बनाए। नचिकेत ने 4 विकेट लिए।

बता दें कि समीर रिजवी साल 2024 आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स फ्रेंचाइजी का हिस्सा थे। हालांकि, टीम ने उन्हें आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन से पहले रिजवी को रिलीज कर दिया था। सीएसके से बाहर होने के बाद समीर को आईपीएल 2025 के लिए दिल्ली कैपिटल्स ने 95 लाख

द. अफ्रीका के लिए टेस्ट डेब्यू करने उतरे मफाका

नई दिल्ली.

साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच दो मैचों की सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच केपटाउन में खेला जा रहा है। साउथ अफ्रीका की ओर से इस टेस्ट मैच में युवा तेज गेंदबाज क्वेना मफाका को डेब्यू करने का मौका मिला है। साउथ अफ्रीका सीरीज में 1-0 की अजेय बढ़त बना चुका है और साथ ही आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 के फाइनल का टिकट भी कटा चुका है। मफाका ने डेब्यू करते ही साउथ अफ्रीका की ओर से एक अनोखा कारनामा कर डाला है। साउथ अफ्रीका की ओर से सबसे कम उम्र में टेस्ट डेब्यू करने वाले खिलाड़ी मफाका बन गए हैं। मफाका ने 18 साल और 270 दिन की उम्र में टेस्ट डेब्यू किया और पॉल एडम्स का 25 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त कर डाला।

1995 में पॉल एडम्स ने 18 साल और 340 दिन की उम्र में टेस्ट डेब्यू किया था। मफाका इससे पहले साउथ अफ्रीका के लिए वनडे और

टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू कर चुके हैं। टी20 इंटरनेशनल में उन्होंने पिछले साल अगस्त में डेब्यू किया था, जबकि वनडे में उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ ही अपना डेब्यू मैच खेला था। वनडे में भी उन्होंने अपना डेब्यू मैच केपटाउन में ही खेला था। मफाका दो वनडे और पांच टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं, दो वनडे मैचों में उन्होंने पांच विकेट चटकाए हैं, जबकि तीन टी20 इंटरनेशनल विकेट वह अपने नाम कर चुके हैं।

तीन फर्स्ट क्लास मैचों में मफाका ने नाम कुल 13 विकेट दर्ज हैं। केपटाउन में अपने डेब्यू वनडे में मफाका ने चार विकेट चटकाए थे, जिसमें सैम अयूब, मोहम्मद रिजवान, कामरान गुलाम और हारिस राउफ के विकेट शामिल थे। साउथ अफ्रीका ने पहली बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाई है। इससे पहले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के दो फाइनल मैच हुए हैं, जिसमें पहली बार भारत और न्यूजीलैंड के बीच खिताबी मुकाबला हुआ था, जिसमें न्यूजीलैंड ने खिताब जीता था, वहीं दूसरी बार भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच फाइनल मैच खेला गया था, जहां ऑस्ट्रेलिया ने खिताब अपने नाम किया था।

बॉक्सर नीरज गोयत ने साझा किया अपनी सफलता का राज

नई दिल्ली.

वीएचसीए हेयर क्लिनिक पर 'द वर्ल्ड्स मोस्ट वायरल फाइटर' और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध बॉक्सर नीरज गोयत पहुंचे। क्लीनिक पर आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान नीरज गोयत ने अपनी सफलता की प्रेरणादायक कहानी साझा की। कार्यक्रम के दौरान नीरज ने बताया कि कैसे कठिन परिश्रम और जुनून से उन्होंने भारतीय तिरंगा विश्व मंच पर लहराया। इस खास मौके पर नीरज ने डॉ. मुकेश अग्रवाल की यूट्यूब सीरीज बियॉन्ड बाउंड्रीज के लिए एक पॉडकास्ट भी शूट किया, जिसमें उन्होंने अपने जीवन और करियर के अनछुए पहलुओं पर चर्चा की। कार्यक्रम की शुरुआत में वीएचसीए हेयर क्लिनिक की निदेशक अनुराधा अग्रवाल ने नीरज गोयत का स्वागत किया।बॉक्सिंग में भारत का नाम ऊंचा करने वाले नीरज की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और खास बना दिया। उन्होंने अपने संघर्ष और उपलब्धियों

की कहानी साझा की, जिससे युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। घरौंडा नगरपालिका के चेयरमैन हैप्पीलक गुप्ता, वीएचसीए के चेयरमैन वैद्य हरिकृष्ण अग्रवाल, एडवोकेट प्रमिल गोयत, साईकल क्लब के अध्यक्ष सुनील गोयत, और भारत विकास परिषद के अध्यक्ष वरुण गुप्ता सहित कई गणमान्य लोगों ने उनका स्वागत किया। इसके अतिरिक्त, केडीएम स्कूल से राकेश और हर्षित

स्कॉट बोलैंड ने तोड़ा 50 साल पुराना रिकॉर्ड

सिडनी.

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने शुक्रवार को भारत के खिलाफ सिडनी में खेले जा रहे मुकाबले के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 50 विकेट पूरे किए। बोलैंड 35 वर्ष 267 दिन की उम्र में खेल के सबसे लंबे प्रारूप में 50 विकेट लेने वाले सबसे उम्रदराज तेज गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के बेवन कांग्डन (37 वर्ष 10 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने फरवरी 1975 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर खेले जा रहे पांचवें मुकाबले के दौरान स्कॉट बोलैंड ने शानदार गेंदबाजी की। पहले दिन उन्होंने 20 ओवर में 31 रन देकर चार विकेट लिए। इस दौरान उन्होंने आठ ओवर मेडन डाले। उन्होंने खतरनाक यशस्वी जायसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली और नितीश कुमार रेड्डी के विकेट चटकाए।

खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया में ट्रॉफी और शुभंकर का अनावरण

ल्ली. खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने शुक्रवार को 13-19 जनवरी को होने वाले पहले खो खो विश्व कप के लिए ट्रॉफी का अनावरण किया। भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के तत्वावधान में, इस टूर्नामेंट में इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में छह महाद्वीपों के 24 देशों की 21 पुरुष और 20 महिला टीमें हिस्सा लेंगी। विश्व कप में दो ट्रॉफी होंगी. पुरुषों की चैंपियनशिप के लिए एक नीली ट्रॉफी और महिलाओं की स्पर्धा के लिए एक हरी ट्रॉफी। दोनों ट्रॉफी अपने समकालीन डिजाइन के माध्यम से खो खो की भावना को दर्शाती हैं, जिसमें घुमावदार वक्र और सुनहरे आंकड़े हैं।

नीली ट्रॉफी विश्वास, दृढ़ संकल्प और सार्वभौमिक अपील का प्रतीक है, जबकि हरी ट्रॉफी विकास और जीवन शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। दोनों ही टुकड़ों में जटिल क्रिस्टल डिटेलिंग है जो प्रतियोगिता के उच्चतम स्तर पर अपेक्षित सटीकता और उत्कृष्टता का प्रतीक है।

केकेएफआई ने टूर्नामेंट के आधिकारिक शुभंकर के रूप में काम करने वाली जोड़ी 'तेजस' और 'तारा'

को भी पेश किया। ये शुभंकर खेल की गति, चपलता और टीम वर्क की मुख्य विशेषताओं को दर्शाते हैं।

तेजस, जो प्रतिभा और ऊर्जा का प्रतीक है, और तारा, जो मार्गदर्शन और आकांक्षा का प्रतिनिधित्व करती है, को पारंपरिक भारतीय रूपांकनों से सजी जीवंत नीले और नारंगी खेल पोशाक में दर्शाया गया है, जो खेल की विरासत और इसके आधुनिक आकर्षण दोनों का जश्न मनाता है।

केकेएफआई के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, "हम अपने सभी हितधारकों के बहुत आभारी हैं जो खो खो विश्व कप 2025 के उद्घाटन संस्करण का समर्थन करेंगे। विश्व कप को डिज्नी+ हॉटस्टार पर मुफ्त में लाइव स्ट्रीम किया जाएगा और डीडी स्पोर्ट्स पर भी मुफ्त में प्रसारित किया जाएगा, जो भारत के स्वदेशी खेल के लिए एक बड़ा बढ़ावा है। यह विश्व कप खेल को ओलंपिक में ले जाने की दिशा में पहला कदम है, और हमारे सभी भागीदारों की मदद से, हम दुनिया को खो खो की सुंदरता दिखाने की उम्मीद करते हैं। हमारे शुभंकर तेजस और तारा खेल की गति, चपलता और टीम वर्क की मुख्य विशेषताओं का प्रतीक हैं।"

केकेएफआई के महासचिव एमएस त्यागी ने कहा, "विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और हमारे सम्मानित भागीदारों के समर्थन के साथ, हम एक ऐसा टूर्नामेंट आयोजित करने के प्रति आश्वस्त हैं, जो खेल उत्कृष्टता में नए मानक स्थापित करेगा और खो-खो को अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक गतिशील, आधुनिक खेल के रूप में स्थापित करेगा।"

हॉकी खिलाड़ी सुखजीत को मिलेगा अर्जुन अवॉर्ड

अमृतसर. केंद्र सरकार ने वीरवार को खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की। अमृतसर के गांव तिम्मोंवाल के रहने वाले भारतीय हॉकी टीम के कप्तान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को खेल रत्न, अमृतसर के ही गांव रजधान के रहने वाले जर्मनप्रीत सिंह और जालंधर के गांव धनोवाली के रहने वाले सुखजीत सिंह को अर्जुन अवार्ड देने की घोषणा से उनके परिवार व खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है।

किडनी की बीमारी से पीड़ित हरमनप्रीत के पिता सर्बजीत और मां राजविंदर कौर बेटे को खेल रत्न अवार्ड मिलने की घोषणा से बेहद खुश हैं। बेटे की इस प्राप्ति की खुशी उनके चेहरे पर साफ झलक रही थी। गुरु साहिब का शुकराना करते हुए हरमनप्रीत के पिता ने कहा कि गांव में कोई हॉकी को जानने वाला नहीं था।

हरमनप्रीत ने जंडियाला के निजी स्कूल में शिक्षा प्राप्त करते समय जब इस खेल को चुना तो किसी ने भी यह सोचा भी नहीं था कि वह देश का प्रतिनिधित्व करेगा और खेल रत्न अवार्ड भी प्राप्त करेगा। दूसरी ओर जर्मनप्रीत सिंह का संबंध अमृतसर के उस गांव रजधान से है, जिसने देश को कई साइक्लिस्ट दिए हैं। जर्मनप्रीत सिंह के घर में भी आवर्ड की घोषणा के बाद खुशी का माहौल है।

भारतीय हॉकी टीम के फारवर्ड सुखजीत सिंह के जीवन में एक समय ऐसा भी था जब उनको भारत के लिए खेलने का सपना टूटता नजर आता था। 2018 में उन्हें भारतीय टीम के संभावित खिलाड़ियों में चुना गया था। पूरा परिवार खुश था, लेकिन यह खुशी ज्यादा दिन नहीं टिक सकी।

पीएपी में सहायक सब इंस्पेक्टर (एएसआई) अजीत सिंह पंजाब पुलिस हॉकी टीम के सदस्य रहे हैं। उनकी चाहत थी जो वह न कर सके, बेटा करे। देश के लिए खेले। सुखजीत को चोट लगने के बाद उन्होंने उसे ट्रेनिंग देकर दोबारा पैरों पर खड़ा किया। इसके बाद सुखजीत ने 2022

तमिलनाडु ने मिजोरम को 10 विकेट से हराया

विजयनगरम.

वरुण चक्रवर्ती (पांच विकेट), विजय शंकर और संदीप वारियर (दो-दो विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद नारायण जगदीशन (नाबाद 46) की पारी से तमिलनाडु ने विजय हजारे ट्रॉफी में ग्रुप डी में मिजोरम को रिकॉर्ड 10 विकेट से हरा दिया। शुक्रवार को खेले गए मैच में मिजोरम के 71 रन के जवाब में तमिलनाडु ने नारायण जगदीशन (नाबाद 46) और तुषार रहेजा (नाबाद 27) की शानदार पारियों के दम पर 10 ओवर में 75 रन बनाकर 10 विकेट से मुकाबला जीत लिया।

तमिलनाडु ने टॉस जीतकर गेंबदाजी का फैसला किया। मिजोरम

की पूरी टीम 21.2 ओवर में 71 रन पर सिमट गई। अग्नि चोपड़ा ने सर्वाधिक (23) रनों की पारी खेली। मोहित जांगड़ (17) और जेहु एंडरसन (12) रन बनाकर आउट हुए। शेष आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके।

अक्षर पटेल (तीन विकेट), रवि बिश्नोई (दो विकेट) के बाद उर्विल पटेल (61) की आतिशी पारियों से गुजरात ने ग्रुप ए में गोवा को छह विकेट से हरा दिया। 118 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरे गुजरात ने

उर्विल पटेल 34 गेंदों में (61) और उमंग कुमार (24) की शानदार बल्लेबाजी से 16.4 ओवरों में चार विकेट पर 118 रन बनाकर मैच जीत लिया।

आर्य देसाई (16) और सौरव चौहान (एक) रन बनाकर आउट हुए। हेमांग पटेल (नौ) और विशाल जायसवाल (पांच) रन बनाकर नाबाद रहे। गोवा की ओर से फिलक्सि आलेमाओ ने दो, शुभम तरी और अमूल्य पंडरेकर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

राम मंदिर में वीआईपी-वीवीआईपी दर्शन पर 3 दिनों तक रोक

नई दिल्ली.

यूपी के अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं. 11 जनवरी को पहली वर्षगांठ मनाई जाएगी. इसके लिए तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम रखा गया है. श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि पहली रामलला की पहली वर्षगांठ प्रतिष्ठा द्वादशी के रूप में मनाई जाएगी. समारोह का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे. इस बीच राम मंदिर ट्रस्ट और प्रशासनिक अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया.

श्री राम जन्मभूमि क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए वीआईपी और वीवीआईपी दर्शन पर रोक लगाई गई है. उन्होंने बताया

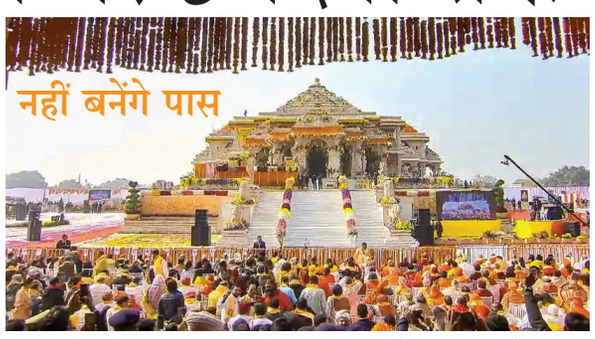

कि 11 से 13 जनवरी तक श्री राम मंदिर के सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक वीआईपी दर्शन बंद रहेंगे. इस बीच वीआईपी और वीवीआईपी पास नहीं बनाए जाएंगे. उन्होंने बताया कि बाकी सुबह, शाम और रात्रि का स्लॉट चलता रहेगा.

आएंगे कुमार विश्वास, अनुराधा पौडवाल और मालिनी अवस्थी

प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों ने भी पूरी तैयारी की हुई है. गुरुवार को मंडल आयुक्त गौरव दयाल, जिलाधिकारी समेत कई अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरिक्षण किया. मंडल आयुक्त गौरव दयाल ने कार्यक्रम को लेकर बताया कि पहली वर्षगांठ के अवसर पर 11 जनवरी को रामलीला का आयोजन किया जाएगा. 12 और 13 जनवरी को अनुराधा पौडवाल, मालिनी अवस्थी और कुमार विश्वास आएंगे, जो अपने कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे.

सीएम योगी करेंगे उद्घाटन

चंपत राय ने बताया कि 11 से 13 जनवरी तक होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार हो गई है. राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर आयोजित होने वाले प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह काकी वर्षगांठ पर आयोजित होने वाले प्रतिष्ठा द्वादशी समारोह का उद्घाटन 11 जनवरी को सीएम योगी करेंगे. तीन दिवसीय कार्यक्रम को लेकर उन्होंने बताया कि 11 जनवरी की सुबह 10 बजे से लेकर 12 बजे तक रामलला का श्रंगार, महाअभिषेक व महाआरती आयोजित होगी. सीएम योगी आदित्यनाथ रामलला की महाआरती करेंगे.

जामनगर में होगी 'तटीय और दलदली पक्षी गणना

नई दिल्ली.

देश में पहली बार जामनगर स्थित मरीन नेशनल पार्क और मरीन अभयारण्य में शुक्रवार से समुद्र तटीय व दलदली पक्षियों (शोरबर्ड व वेडर) की गणना होगी। दलदली और कीचड़युक्त स्थलों पर रहने के कारण स्थानीय लोग इन्हें किचडिया पक्षी भी कहते हैं।

तटीय पक्षियों का स्वर्ग माने जाने वाले जामनगर में यह गिनती 5 जनवरी तक चलेगी। वन विभाग और बर्ड कंजर्वेशन सोसायटी गुजरात (बीसीएसजी) के संयुक्त तत्वावधान में यह गिनती होगी। केवल दलदली पक्षियों की गणना का यह पहला प्रयास होगा।

शीतलहर की चपेट में भारत

> भारत के कई हिस्सों में घना कोहरा छाया

नई दिल्ली.

देश में भीषण ठंड के बीच घने कोहरे ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी। उत्तर भारत के कई हिस्सों में घना कोहरा छाया रहा। इससे दृश्यता और तापमान में गिरावट आई। इस वजह से ट्रेन और विमान परिचालन प्रभावित हुआ। आईएमडी के पिछले 24 घंटों के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में अधिकतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से तीन डिग्री कम रहा। ऐसे ही न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस रहा। इस बीच मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में 8 जनवरी तक कोहरा छाया रहने की संभावना है, जबकि 6 जनवरी को हल्की बारिश भी हो सकती है।

शुक्रवार सुबह यानी आज तक दिल्ली का तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो राष्ट्रीय राजधानी के लिए लगातार पांचवां ठंडा दिन है। लोधी रोड स्टेशन पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 309 है, जिसे 'बहुत खराब' श्रेणी में रखा जाता है। इस बीच मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में 8 जनवरी तक कोहरा छाया रहने की संभावना है, जबकि 6 जनवरी को हल्की बारिश भी हो सकती है। शुक्रवार सुबह तक दिल्ली का तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो राष्ट्रीय राजधानी के लिए लगातार पांचवां ठंडा दिन है। सीपीसीबी के मुताबिक, लोधी रोड स्टेशन पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 309 है, जिसे 'बहुत खराब' श्रेणी में रखा जाता है।

कई एयरलाइंस की उड़ानें प्रभावित

फ्लाइटरडार24 के मुताबिक, स्पाइसजेट, इंडिगो और एयर इंडिया सहित कई एयरलाइंस की उड़ानें प्रभावित हुईं। दिल्ली हवाई अड्डे पर आगमन उड़ानों के लिए औसतन पांच मिनट और प्रस्थान उड़ानों के लिए 11 मिनट की देरी रिकॉर्ड की गई। इस बीच स्पाइसजेट ने कहा कि खराब मौसम के कारण अमृतसर और गुवाहाटी आने और जाने वाली सभी उड़ानें प्रभावित हैं। इंडिगो ने दिल्ली, अमृतसर, लखनऊ, बंगलूरू और गुवाहाटी के मार्गों पर विशेष ध्यान देते हुए एक यात्रा सलाह जारी की।

राजस्थान में अब यमुना के पानी की बारी

> इन तीन जिलों को मिलेगा भरपूर पानी

जयपुर.

पीकेसी-ईआरसीपी का मुद्दा सुलझने के बाद अब राजस्थान को एक और खुशखबरी जल्द ही मिलने वाली है। दरअसल, यमुना जल समझौते के तहत राजस्थान को 577 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी मिले, इसके लिए जलशक्ति मंत्रालय सक्रिय हो गया है। इस प्रोजेक्ट को लेकर राजस्थान और हरियाणा दोनों राज्यों के बीच अगले माह बैठक संभावित है, ताकि दिल्ली में हुए एमओयू के आधार पर आगे बढ़ा जा सके।

मंत्रालय की सक्रियता का एक कारण यह भी है कि यमुना के पानी के लिए संयुक्त डीपीआर बननी है, जिसके लिए राजस्थान टास्क फोर्स गठित कर चुका है, लेकिन हरियाणा अटकाए बैठा है। जबकि, वहां नई सरकार का गठन हुए भी काफी समय बीत चुका है। सूत्रों के मुताबिक केन्द्र सरकार पीकेसी-ईआरसीपी की तरह ही यमुना जल प्रोजेक्ट को लेकर भी विवाद पूरी तरह सुलझाना चाह रही है। दोनों ही राज्यों में भाजपा की सरकार है। इस वर्ष 17 फरवरी को तीस साल पुराना जल समझौता विवाद सुलझने का दावा किया गया था। इस दिन नई दिल्ली में राजस्थान और हरियाणा के मुयमंत्री व केन्द्र सरकार के बीच विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने के लिए एमओयू हुआ। राजस्थान सरकार तो 14 मार्च को ही अफसरों की टास्क फोर्स गठन कर चुका है।

मणिपुर में प्रतिबंधित संगठन का सदस्य गिरफ्तार

इंफाल.

मणिपुर के काकचिंग जिले से प्रतिबंधित संगठन 'कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी' (पीपुल्स वॉर ग्रुप) के 42 वर्षीय एक सदस्य को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए व्यक्ति की पहचान मायेंगबाम मोमोचा मेइती के रूप में की गई है और उसे बृहस्पतिवार को बिजॉयपुर मथक लेईकाई इलाके से गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने बताया कि यह उग्रवादी संगठन जबरन वसूली और कई व्यक्तियों के घरों पर ग्रेनेड रखने के मामलों में संलिप्त पाया गया है।

बिहार के दो प्रवासी मजदूरों की हत्या के सिलसिले में कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वॉर ग्रुप) के आठ सदस्यों को पिछले वर्ष दिसंबर में इसी जिले से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को चुराचांदपुर जिले में एक अलग अभियान के दौरान छह आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद बरामद किए।

प्रशांत किशोर का अनशन जारी

> पप्पू यादव के समर्थकों ने रोकी ट्रेनें

पटना.

बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्रों का आंदोलन दिन पे दिन बड़ा रूप लेता जा रहा है. छात्रों के इस आंदोलन को विपक्षी पार्टी के कई नेता समर्थन दे रहे हैं, जिनमें से एक जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर भी हैं.

एक हफ्ते पहले इस आंदोलन में शामिल हुए प्रशांत किशोर अब अनशन पर बैठ गए हैं. बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने इस आंदोलन को नौटंकी बताया है और आज सचिवालय हॉल्ट पर ट्रेन रोकने का फैसला लिया है. दूसरी ओर, पटना में बीपीएससी एग्जाम को लेकर छात्र संगठनों ने चक्का जाम कर दिया है. पप्पू यादव के समर्थक छात्रों ने पटना के सचिवालय हाल्ट पर ट्रेन रोकने का फैसला किया है. छात्रों का आरोप है कि सरकार उनकी मांगों की अनदेखा कर रही है और इस आंदोलन के जरिए वे अपना विरोध जाहिर कर रहे हैं. सूत्रों के अनुसार, थोड़ी देर में पप्पू यादव भी यहां पहुंचने वाले हैं और इस आंदोलन को और तेज करने की संभावना है. छात्र संगठनों का कहना है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जातीं, उनका आंदोलन जारी रहेगा.

बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने हाल ही में बीपीएससी छात्रों और उनके संघर्ष को लेकर बड़ा बयान दिया. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जल्द ही बीपीएससी छात्रों के समर्थन में बिहार आएंगे. पप्पू यादव ने प्रशांत किशोर को निशाने पर लेते हुए कहा, "प्रशांत किशोर गांधी मैदान में महज एक नौटंकी कर रहे हैं.

मोबाइल गेम खेलते ट्रैक पर पहुंचे बच्चे, ट्रेन से कट कर मौत

पटना. बिहार के पश्चिमी चंपारण जिले में गुरुवार को मोबाइल गेम (पबजी) खेलने में मशगूल तीन किशोरों की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह दुर्घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नरकटियागंज-मुजफ्फरपुर रेल खंड पर मनसा टोला स्थित रॉयल स्कूल के पास हुई। सभी किशोर ईयरफोन लगाए हुए थे और गेम खेलने में इतने मशगूल थे कि उन्हें ट्रेन के आने का पता ही नहीं चला। दुखद बात यह है कि इस ध्यान भटकाव के कारण यह दुर्घटना हुई, जिससे स्थानीय समुदाय सदमे में है। अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। मृतकों की पहचान रेलवे गुमटी निवासी फुरकान आलम, मनशा टोला निवासी समीर आलम, बारी टोला निवासी हबीबुल्लाह अंसारी के रूप में हुई है। दुर्घटना के बाद सैकड़ों स्थानीय निवासी सदमे और शोक में घटनास्थल पर एकत्र हो गए। पीड़ितों के परिवार अपने बच्चों के शवों को अंतिम संस्कार के लिए घर ले गए हैं।

युवाओं का एकलव्य जैसा अंगूठा काट रही भाजपा

> भविष्य मिटाने में जुटी: राहुल

नई दिल्ली.

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी रोजगार और युवाओं के मुद्दे पर भाजपा सरकार पर बड़ा हमला बोला है। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी घेरा। उन्होंने कहा, 'भाजपा भारत के युवाओं का बिल्कुल एकलव्य जैसा अंगूठा काट रही है, उनका भविष्य मिटा रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में उत्तर प्रदेश और बिहार की घटनाओं के बाद अब मध्य प्रदेश में एमपीपीएससी में हुई गड़बड़ी का विरोध कर रहे दो छात्रों को जेल में डाल दिया गया है। वो भी तब जब मुख्यमंत्री ने खुद छात्रों से मुलाकात कर उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया था। भाजपा की सरकार ने छात्रों के भरोसे को तोड़ा है और लोकतांत्रिक प्रणाली का गला घोंटा है। छात्रों के अधिकार की लड़ाई में हम उनके साथ हैं। भाजपा को देश के युवाओं के हक की आवाज किसी कीमत पर दबाने नहीं देंगे।

'सरकारी भर्ती में विफलता बड़ा अन्याय'

राहुल ने 'एक्स' पर लिखा कि सरकारी भर्ती में विफलता बड़ा अन्याय है। पहले तो भर्ती नहीं निकलती। भर्ती निकल जाए तो एग्जाम समय पर नहीं होते। एग्जाम हो तो पेपर लीक करवा दिए जाते हैं और जब युवा न्याय मांगते हैं तब उनकी आवाज को बेरहमी से कुचला जाता है।

ख्वाजा के दर पहुंची पीएम मोदी की चादर

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिली चादर लेकर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने निजामुद्दीन के औलिया दरगाह पहुंचे. 813वें उर्स के मौके पर दरगाह पर चादर चढाई जाएगी. प्रधानमंत्री हर साल दरगाह पर चादर भेजते हैं. मेहरौली दरगाह पर भी चादर चढाई जाएगी. केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि निजामुद्दीन दरगाह में आना हमारे लिए किस्मत की बात है. उन्होंने कहा, "पीएम मोदी की ओर से दी गई चादर अजमेर शरीफ जाएगी, जिसे हम निजामुद्दीन से होते हुए ले जाएंगे. अल्पसंख्यक मंत्रालय के सीनियर अधिकारी अजमेर शरीफ जाएंगे. उन्होंने बताया कि शनिवार 4 जनवरी को अजमेर शरीफ पर पीएम की हुई चादर चढ़ाई जाएगी. उन्होंने कहा, "हम पीएम मोदी के भाईचारे का संदेश लेकर अजमेर शरीफ जाएंगे. निजामुद्दीन दरगाह आने के बाद अब अजमेर जाने का रास्ता आसान हो जाएगा." प्रधानमंत्री ने कहा, "ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के उर्स के अवसर पर मुबारकबाद. यह अवसर सभी के जीवन में खुशहाली और शांति लाए.

कोयंबटूर में एलपीजी टैंकर पलटा

> गैस रिसाव से मचा हड़कंप

कोच्चि.

केरल के कोच्चि से एलपीजी गैस लेकर गांधीपुरम की ओर लौट रहा एक एलपीजी टैंकर कोयंबटूर में हादसे का शिकार हो गया. शुक्रवार यानी आज सुबह यह टैंकर पलट गया, जिससे गैस का रिसाव होने लगा. सुरक्षा के लिहाज से इलाके के सभी स्कूलों को बंद कर दिया गया है.

भारत कंपनी के इस टैंकर का हादसा कोयंबटूर के उप्पिलीपलायम फ्लाईओवर के पास हुआ. गैस के रिसाव के कारण टैंकर में सवार लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी. दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और पानी का छिड़काव करके गैस के रिसाव पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं.पुलिस ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए फ्लाईओवर पर यातायात को रोक दिया है और ट्रैफिक को वैकल्पिक मार्ग से डायवर्ट कर दिया है. यह काम कुछ समय और ले सकता है, क्योंकि गैस को पूरी तरह से बाहर निकलने या पानी में मिलने के बाद ही स्थिति को काबू किया जा सकेगा. सूचना मिलने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और गैस कंपनी के इंजीनियर घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है. हालांकि इस दुर्घटना में बड़ी क्षति टल गई है, लेकिन मौके पर क्रेन जैसे भारी वाहन भी बुलाए गए हैं.

500 मीटर के दायरे के सभी स्कूल बंद

इसके साथ ही दुर्घटना स्थल के 500 मीटर के दायरे में सभी स्कूलों को आज के लिए बंद कर दिया गया है. जिला कलेक्टर क्रांति कुमार पाडी ने इसकी घोषणा की है. यह हादसा याद दिलाता है कि दिसंबर 2024 में जयपुर-अजमेर हाईवे पर भी एक बड़ा एलपीजी टैंकर हादसा हुआ था, जिसमें 15 से अधिक लोगों की जान गई थी और कई लोग गंभीर रूप से जल गए थे.

सीबीआई ने अपने ही डीएसपी पर मारे छापे

नई दिल्ली. सीबीआई ने अपने ही एक डिप्टी एसपी ब्रजमोहन मीणा के ठिकानों पर छापे मारकर 55 लाख रुपए नगद जब्त किए। सीबीआइ को छापे में बरामद दस्तावेजों से मीणा की 1.8 करोड़ की संपत्ति और 1.6 करोड़ के संदिग्ध लेनदेन का पता चला है। बैंक सिक्योरिटी एंड फ्रॉड ब्रांच में तैनात डीएसपी मीणा पर भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया गया है। मीणा पर सीबीआइ में दर्ज मामलों की जांच के दौरान संदिग्धों को धमका कर पांच करोड़ की रिश्वत लेने का आरोप है। सीबीआइ ने मुंबई, दिल्ली, कोलकाता और जयपुर में मीणा के करीब 20 ठिकानों पर छापे मारे थे। आरोप है कि मीणा बिचौलियों के मदद से बैंकिंग चैनल और हवाला नेटवर्क का इस्तेमाल कर रिश्वत लेता था। सीबीआइ के अनुसार, मीणा ने रिश्वत लेने की बात स्वीकार कर ली है। सीबीआइ में आए मामलों की जांच के दौरान मीणा रिश्वत के बदले संबंधित आरोपियों को केस से बाहर निकालने का प्रलोभन देता था।

बाइडेन को पीएम मोदी ने दिया सबसे महंगा गिफ्ट

नई दिल्ली.

राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनके परिवार को 2023 में विदेशी नेताओं से हजारों डॉलर के गिफ्ट मिले. इसमें जो बाइडेन को सबसे महंगा गिफ्ट भारत की ओर से दिया गया. भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी पत्नी को 20,000 अमेरिकी डॉलर का हीरा उन्हें गिफ्ट किया था. पीएम मोदी की ओर से दिया गया 7.5 कैरेट का हीरा 2023 में जो बाइडेन परिवार को दिया गया सबसे महंगा गिफ्ट था.

हालांकि, उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका में यूक्रेनी राजदूत से 14,063 अमेरिकी डॉलर का ब्रोच और मिस्र के राष्ट्रपति और प्रथम महिला से 4,510 अमेरिकी डॉलर का एक ब्रेसलेट, ब्रोच और फोटो एलबम भी मिला. विदेश मंत्रालय की तरफ से प्रकाशित वार्षिक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई. स्टेट डिपार्टमेंट के एक डॉक्यूमेंट के मुताबिक, 20 हजार अमेरिकी डॉलर का हीरा व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग में आधिकारिक इस्तेमाल के लिए रखा गया. वहीं राष्ट्रपति और प्रथम महिला को दिए गए दूसरे गिफ्ट अभिलेखागार में भेज दिए गए. जो बाइडेन को कई मिले कई महंगे उपहारों में दक्षिण कोरिया का गिफ्ट भी शामिल है. राष्ट्रपति सुक येओल यून ने 7,100 अमेरिकी डॉलर मूल्य का एक स्मारक फोटो एल्बम दिया.संघीय कानून में कार्यकारी शाखा के अधिकारियों को विदेशी नेताओं और उनके ही जैसे अन्य लोगों से मिले गिफ्ट्स के बारे में बताना होता है. अमेरिकी राष्ट्रपति को मिले गिफ्ट का अनुमानित मूल्य 480 अमेरिकी डॉलर से ज्यादा है.

कई देशों से मिले अलग-अलग तरह के गिफ्ट

वहीं मंगोलियाई प्रधानमंत्री से 3,495 अमेरिकी डॉलर मूल्य कीमंगोल योद्धाओं की मूर्ति, ब्रुनेई के सुल्तान से 3,300 अमेरिकी डॉलर मूल्य का चांदी का कटोरा, इजरायल के राष्ट्रपति से 3,160 अमेरिकी डॉलर मूल्य की स्टर्लिंग चांदी की ट्रे और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की से 2,400 अमेरिकी डॉलर मूल्य का एक कोलाज शामिल है. संघीय कानून में कार्यकारी शाखा के अधिकारियों को विदेशी नेताओं और उनके ही जैसे अन्य लोगों से मिले गिफ्ट्स के बारे में बताना होता है. राष्ट्रीय अभिलेखागार में स्थानांतरित किया गए गिफ्ट को आधिकारिक प्रदर्शन करने के लिए रखा गया है.